डाक पंजीयन क्रं. छ.ग./दुर्ग/13/2024-26
आर.एन.आई. पंजी. क्रं. 54135/88
दैनिक
श्रमबिन्दु
भिलाई एवं रांची से एक साथ प्रकाशित समाचार पत्र...
37 वर्ष 1987-2023
प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव
भिलाई संस्करण
शनिवार, 08 जून 2024
वर्ष - 37, अंक - 332
पृष्ठ-8, मूल्य- 01 रूपए
Email- srambindu@gmail.com
shrambindu@yahoo.in
आप भी समाचार भेज सकते है
वाट्सअप: 8349764019
9098178627
srambindu.com

खास खबर...

पूर्व सांसद मोहन मंडावी ने रामायण के पुरोधा स्व. एमआर यादव को दी श्रद्धांजलि

श्रमबिन्दु / कांकेर

कांकेर लोकसभा के पूर्व सांसद मोहन मंडावी दिनांक 06 जून दिन गुरुवार को रामायण के पुरोधा,अंचल के ख्यातिलब्ध मानस व्याख्याकार, सत्यम शिवम मानस परिवार भरदाकला के सुप्रसिद्ध टीकाकार स्व. एम. आर. यादव जी के शोक सभा में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की व परिजनों से भेंटकर ढांढस बंधाया। पूर्व सांसद मोहन मंडावी ने कहा कि एम. आर. यादव जी के निधन का उन्हें गहरा दु:ख हुआ है। क्षेत्र में उनकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती। यह मानस के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति है। ईश्वर उन्हें साकेत लोक में विश्राम दें। इस शोक कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष गोपाल वर्मा , कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश देशमुख, उपाध्यक्ष हिरदे राम शोरी, प्रमोद जैन, मोहन लाल यादव, तोमन साहू, कामता प्रसाद सिन्हा, तामेश्वर साहू, केशव साहू, अजेन्द्र साहू , राकेश साहू, लिलार सिन्हा, सुरेश शर्मा, चैतराम साहू, मानसिंह पटेल, पीलाराम शर्मा, पिलेश्वर देशमुख, हेमलता साहू, अचल वैष्णव, पुष्पा सिन्हा, पोषण शुक्ला, कवि प्यारे लाल देशमुख सहित बड़ी संख्या में मानस के व्याख्याकार, संगीतकार, उद्घोषक पहुंचे थे तथा सभी वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित कर विनम्र श्रद्धांजलि दिए।

9 जून को शपथ के साथ मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल होगा प्रारंभ

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के परिणामों में बहुमत मिलने के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार बनाने की तैयारियों में जुट गया है। इस संबंध में संसद के सेंट्रल हॉल में आज एनडीए की बैठक हुई। इसमें नामित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संसदीय दल और एनडीए का नेता चुने जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया ।मोदी अब 9 जून को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे, जिसमें कई देशों के राष्ट्रपति/प्रधानमंत्री शिरकत करेंगे।

मोदी ने कहा, एनडीए का नेता चुना जाना मेरा सौभाग्य है। इसके लिए जितना धन्यवाद करूं, उतना कम है। एनडीए पार्टियों के बीच मजबूत विश्वास है। ये पल मेरे लिए भावुक कर देने वाला है। हमारा ये गठबंधन सच्चे अर्थ में भारत की असली आत्मा है, भारत की जड़ों में जो रचा-बसा है, उसका प्रतिबिंब है। ये अटूट रिश्ता विश्वास की मजबूत धरातल पर है। ये सबसे बड़ी पूंजी होता है। आप सबके लिए जितना धव्यवाद करूं, उतना कम है। मोदी ने कहा, साथियों जब 4 जून के नतीजे चल रहे थे, तब मैं अपने काम में व्यस्त था। मुझे फोन आए तो मैंने पूछा कि आंकड़े तो ठीक हैं, लेकिन ईवीएम जिंदा है या नहीं। कुछ लोगों का काम है कि चुनाव प्रक्रिया पर सवाल पर उठाते हैं। मुझे तो लग रहा था कि वे ईवीएम की अर्थी निकालेंगे, लेकिन ईवीएम ने सबको जवाब दे दिया। चुनाव आयोग के काम में रुकावट आए, इसके लिए सुप्रीम कोर्ट गए।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बैठक की शुरुआत करते हुए संसद में कहा, ये हमारे लिए ऐतिहासिक पल है। जिस क्षण का इंतजार था, वो घड़ी आ गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की सेवा में अपना एक-एक पल लगाया है। यही वजह है कि हम लगातार तीसरी बार बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनाने जा रहे हैं। मैं ऐतिहासिक जीत के लिए सभी सांसदों को बधाई देता हूं। बैठक में राजनाथ सिंह ने मोदी को भाजपा और एनडीए के संसदीय दल का नेता और लोकसभा का नेता चुनने का प्रस्ताव रखा। इस दौरान मौजूदा सांसद %मोदी-मोदी% के नारे लगाने लगे ।सिंह ने कहा, 1962 के बाद पहली बार कोई राजनेता लगातार तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बनने जा रहा है। ये हम सब के लिए सौभाग्य की बात है। हम सौभाग्यशाली है कि हमें मोदी जी जैसा प्रधानमंत्री हमें मिलने जा रहा है।

अमित शाह ने कहा, सभी को हृदयपूर्वक पुन: लोकसभा में जीतकर आने के लिए बधाई। अभी अभी रक्षा मंत्री जी ने संसदीय नेता के रूप में नरेंद्र मोदी जी के नाम का प्रस्ताव रखा है। इसका मैं मन से समर्थन करता हूं। यह प्रस्ताव हम सब चंद लोगों के मन की इच्छा नहीं है। यह एनडीए के घटक दलों के नेताओं के मन की इच्छा भी नहीं है। यह प्रस्ताव देश के 140 करोड़ लोगों के मन का प्रस्ताव है।

नीतीश कुमार ने कहा, हमारी पार्टी नरेंद्र मोदी जी को भारत के प्रधानमंत्री पद के लिए समर्थन देती है। यह बहुत खुशी की बात है कि 10 साल से ये प्रधानमंत्री हैं, अब फिर प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं। इन्होंने देश की सेवा की, जो कुछ भी बचा है, उसे अब पूरा कर देंगे। हम लोगों को लगता है कि अगली बार जब आप आइएगा तो कुछ इधर-उधर के लोग जो जीत गए हैं।

दीपक बैज ने दी ज्योत्सना महंत को जीत की बधाई

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

छत्तीसगढ़ की कुल 11 लोकसभा सीटों में से एकमात्र कोरबा सीट ही कांग्रेस जीत पाई है। कोरबा से ज्योत्सना महंत दोबारा निर्वाचित हुई हैं।

वे छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. चरणदास महंत की धर्मपत्नी हैं और उन्होंने भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पाण्डेय को पराजित किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आज डॉ. चरणदास महंत के निवास में जाकर ज्योत्सना महंत को बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस दौरान डॉ. चरण दास महंत ने दीपक बैज को गले लगा लिया। दोनों दिग्गज नेताओं के चेहरों पर खुशी हिलोरें मारती नजर आ रही थीं।

छत्तीसगढ़ में निकाय चुनाव के दौरान हो सकता है विधानसभा उप चुनाव

श्रमबिन्दु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद विधानसभा उप चुनाव को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। नगरीय निकाय चुनाव के दौरान उप चुनाव की संभावना है। प्रदेश में नवंबर-दिसंबर में नगरीय निकाय चुनाव होंगे। प्रदेश की 11 लोकसभा सीटों में चार विधायक चुनाव मैदान में उतरे थे। लोकसभा के चुनावी रण में रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, पाटन से कांग्रेस विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, भिलाई के विधायक देवेंद्र सिंह यादव और कोंटा से कांग्रेस विधायक कवासी लखमा उतरे थे।इसमें से सिर्फबृजमोहन अग्रवाल रायपुर संसदीय सीट से चुनाव जीते हैं। अब यह तय हो गया है कि रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में उप चुनाव होंगे। इसके साथ ही राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर भी सुगबुगाहट शुरु हो गई है। जानकारों के अनुसार, दो सदनों में चुने जाने पर किसी एक को चुनने के लिए समय मिलता है। ऐसा नहीं है कि दूसरे सदन की जीत का प्रमाणपत्र मिलते ही किसी एक सदन से इस्तीफा दिया जाए। विधायिका के नियमों के अनुसार, किसी एक सदन का सदस्य दूसरे के लिए चुना जाता है तो उसे किस सदन में सदस्य बने रहना है, इसके लिए 14 दिनों का समय होता है।

इन अवधि में सदस्य कभी भी इस्तीफा दे सकता है। सदस्य पर निर्भर करता है कि वह किस सदन में बने रहना चाहता है। बृजमोहन अग्रवाल प्रदेश के सबसे वरिष्ठ विधायक हैं। वे लगातार आठवीं बार विधायक बने हैं। वर्तमान में विष्णुदेव साय सरकार में स्कूल शिक्षा मंत्री हैं।

सीबाआई की चार्जशीट के साथ लालू यादव मुश्किल में

नई दिल्ली। विशेष सीबीआई न्यायाधीश विशाल गोगने ने आरोप पत्र पर विचार के लिए मामले को 6 जुलाई को सूचीबद्ध किया है। 29 मई को, सीबीआई को नौकरी के बदले भूमि मामले में अपना निर्णायक आरोप पत्र/चार्जशीट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने समय देने के बावजूद निर्णायक आरोपपत्र दाखिल न किए जाने पर भी नाराजगी जताई थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित नौकरी के बदले जमीन घोटाले के सिलसिले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और अन्य आरोपित व्यक्तियों के खिलाफनिर्णायक आरोप पत्र दायर किया है।

महिलाएं पूछ रही हैं कि 1 लाख रुपए प्रति वर्ष देने का वादा कब पूरा किया जाएगा?: पीयूष गोयल

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नवनिर्वाचित सांसद पीयूष गोयल ने आज केन्द्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता संबोधित किया। इस प्रेस वार्ता में गोयल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पिछले चारङ्कपांच दिनों में देश के शेयर बाजार के कारोबार में हुए कपोल कल्पित घोटाले के अनर्गल आरोपों का जोरदार खंडन करते हुए वास्तविक तथ्य पेश किए एवं राहुल गांधी द्वारा जनता को गुमराह करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का पर्दाफाश किया।

नवनिर्वाचित सांसद श्री गोयल ने कहा कि आज माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को विश्वास दिलाया है कि इस कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है और पूरा विश्व इसे गंभीरता से देख रहा है। आज राहुल गांधी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर के भारतीय जनता पार्टी और भाजपा नेताओं पर अनर्गल आरोप लगाए। लोकसभा चुनाव में विपक्ष की हार की हताशा से अभी राहुल गांधी जी उबरे नहीं हैं और अब वे बाजार के निवेशकों को भी गुमराह करने की साजिश कर रहे हैं। पुन: भाजपा सरकार आना निश्चित है और इस बात से राहुल गांधी परेशान नजर आ रहे हैं, इसीलिए देश और विदेश के निवेशकों के लिए भय का वातावरण बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इक्विटी बाजार में अलग-अलग समय पर बदलाव होता रहता है और पूरे विश्व में इक्विटी बाजार इसी तरह से चलता है। कोई बड़ी घटना न भी हो तब भी बाजार में उतार चढ़ाव चलता रहता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री गोयल ने कहा कि बीते 10 वर्षों में मोदी सरकार के सफल कार्यकाल में भारत का मार्केट कैप पहली बार 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हुआ है यानी 400 लाख करोड़ रुपए से अधिक मार्केट कैप का कीर्तिमान नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत ने प्राप्त किया है। आज भारत का इक्विटी बाजार पहली बार विश्व की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के मार्केट कैप का हिस्सा बना है। मोदी सरकार के कार्यकाल में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का मार्केट कैप भी लभगग चार गुना बढ़ा है। यूपीए सरकार के समय मई 2014 में भारत का बाजार कैप मात्र 67 लाख करोड़ रुपए था, जो आज भाजपा के दस वर्षों के कार्यकाल के बाद बढ़कर 415 लाख करोड़ रुपए हो चुका है। मोदी सरकार के दौरान मार्केट कैप में 348 लाख करोड़ रुपए बढ़त हुई है।

छत्तीसगढ़ सहित दूसरे राज्यों में भी चला सीएम साय का जादू, लोग दे रहे हैं सुपर स्ट्राइकर सीएम की संज्ञा...

श्रमबिन्दु / रायपुर

देश में हुए लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। छत्तीसगढ़ में 10 सीटों सहित पूरे देश में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन ने 293 सीटों पर जीत हासिल की है। इसके साथ ओडिशा विधानसभा चुनाव में पहली बार भाजपा ने बहुमत हासिल किया है, तो दूसरी ओर आंध्रप्रदेश विधानसभा चुनाव में भी एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल हुई है। छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश और ओडिशा में भाजपा की प्रचंड जीत में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का अहम योगदान रहा। उन्होंने जहां-जहां सभाएं की वहां अधिकतर जगहों में भाजपा का परचम लहराया। साय का छत्तीसगढ़ में 91 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 100 प्रतिशत और ओडिशा में 86 प्रतिशत सक्सेस स्ट्राइक रेट रहा। इसलिए लोग अब विष्णु देव साय को सुपर स्ट्राइकर सीएम की संज्ञा दे रहे हैं।

यह जीत संगठन की मेहनत और जनता के आशीर्वाद का प्रतिफल है ङ्क सीएम साय

मेहनत का कोई विकल्प नहीं का सूत्र वाक्य अंगीकार कर चुनावी महासमर में सफलता के नए आयाम तक पहुंचने वाले सीएम साय इसका श्रेय संगठन के कार्यकर्ताओं और जनता को देते हैं। उनका कहना है कि भीषण गर्मी की परवाह न कर कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की। संगठन के हर नेता ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, जिसका नतीजा सामने है। वह यह नहीं बताते कि पूरे चुनावी यात्रा में उसी भीषण गर्मी से उन्हें भी दो-चार होना पड़ा। अपनी मेहनत पर उन्हें चर्चा पसंद नहीं वे इसे अपना कर्तव्य मानते हैं। जनता से मिले आशीर्वाद को सिर झुका कर स्वीकार करने वाले सीएम साय की यही नम्रता और सरलता उनके सियासी कद को बड़ा बनाती है।

अगर इसका विजयी प्रतिशत निकालें तो मुख्यमंत्री साय की सभाओं का सक्सेस रेट 91 प्रतिशत रहा। मतलब सीएम साय सुपर स्ट्राइकर साबित हुए और अपने तूफानी दौरों की बदौलत से कांग्रेस के पसीने छुड़ा दिए। अपनी हर सभा में कांग्रेस को सबक सिखाने की बात करने वाले सीएम साय ने कांग्रेस को गहरा सबक सिखाया।

ओडिशा के 86 प्रतिशत सक्सेस स्ट्राइक रेट ने बढ़ाया सीएम साय का सियासी कद

सीएम साय ने ओडिशा में भी जमकर पसीना बहाया। यहाँ सात लोकसभा सीटों में उन्होंने तूफानी जनसभाएं ली और भाजपा को 6 लोकसभा सीट बरगढ़, बलांगीर, कालाहांडी, नबरंगपुर, संबलपुर और सुंदरगढ़ सीटें जिताकर दी। विधानसभा स्तर पर भी यदि देखें तो यहाँ झारसुगुड़ा, कोटपाड़, उमरकोट, कोरापुट, तलसरा, बीजेपुर, बीरमहाराजपुर और कुचिंदा सीट को मिलाकर कुल आठ विधायक भी जिताने में वो कामयाब रहे। यहाँ लोकसभा चुनाव में उनका सक्सेस स्ट्राइक रेट 86 प्रतिशत रहा। बता दें कि ओडिशा की अपनी हर जनसभा में श्री साय वहां की बीजेडी सरकार और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ मुखर रहे। उन्होंने ओडिशा की जनता को भाजपा द्वारा दी गई गारंटियों को बड़े ही विस्तार से बताया।

छत्तीसगढ़ में 91 प्रतिशत रहा सक्सेस स्ट्राइक रेट

छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों में श्री साय ने कुल 64 जनसभाएं एवं रोड शो की। जहाँ उन्होंने बस्तर लोकसभा में 7 जनसभा और रोड शो किया। दूसरे चरण के अंतर्गत कांकेर, राजनांदगांव और महासमुंद में कुल 15 जनसभाएं की। इन चारों लोकसभा सीटों में भाजपा ने जीत दर्ज की। तीसरे चरण की बची हुई 7 सीटों रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, सरगुजा और कोरबा में सीएम साय ने कुल 42 जनसभाएं की। जिसमें कोरबा लोकसभा में मामूली अंतर से हुई हार को छोड़ दें तो ग्यारह में से 10 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की और अपना परचम लहराया।

नागरिक संहिता एवं न्याय कानून 2023 की जानकारी विस्तार से

तीनों नवीन कानून 01 जुलाई 24 से लागू होगा

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

दिनांक 01 जुलाई, 2024 से लागू होने वाले 03 नवीन कानून - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिनांक 07 जून, 2024 को डॉ. संजीव शुक्ला भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज के निर्देशन पर रेंज पु.म.नि. कार्यालय बिलासपुर में Training of Trainers (ToT) प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला सत्र के शुभारंभ सत्र में रेंज पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा किया गया जिनके द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि दिनांक 01 जुलाई 2024 से लागू होने वाले 03 नवीन कानूनों के क्रियान्वयन के पूर्व सभी पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, इसी अनुक्रम में पुलिस मुख्यालय द्वारा सभी स्तर के पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित करने समय-समय पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा बताया गया कि नवीन कानूनों के प्रशिक्षण की इस श्रृंखला में बिलासपुर रेंज के जिलों में पदस्थ सभी रैंक के विवेचक स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 में हुए बदलाव व कानूनों की बारीकियों को समझाने के लिए विस्तृत प्रेजेन्टेशन तैयार करवाया गया है। इस प्रजेन्टेशन के माध्यम से नवीन कानूनों से संबंधित परिवर्तित धाराओं, परिभाषाओं आदि की एक-एक शब्द की व्याख्या प्रेजेन्टेशन में की गई है जो नवीन कानूनों को समझने और उसके क्रियान्वयन में विवेचना अधिकारियों के लिये सहायक होंगे। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा प्रशिक्षण में सम्मिलित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने उपरांत वे अपने-अपने जिले में पदस्थ निरीक्षक से प्रधान आरक्षक स्तर के सभी कर्मचारियों को दिनांक 30.06.2024 तक नवीन कानूनों की बारीकी एवं बदलाव के संबंध में प्रशिक्षण देवें। रेंज स्तर पर प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप तैयार किया गया है जिसमें प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा नवीन कानूनों के संबंध में जिला स्तर पर आयोजित किये गये।

[खास खबर]

मंदिर की गुंबद पर गिरी गाज

श्रमबिन्दु / कोंडागांव

नगर और आसपास के इलाके में आज मौसम का मिजाज अचानक बिगड़ गया। तेज गरज के साथ हुई बारिश शुरू हो गई। इसी बीच गांधी चौक स्थित निर्माणधीन राम मंदिर की गुंबद पर आकाशीय बिजली गिर गई। गाज गिरने से मंदिर की गुंबद को क्षति पहुंची है, मगर कोई जनहानि नही हुई। मौके पर कोई श्रमिक मौजूद नहीं था अन्यथा बड़ा हादसा सकता था। बारिश का वीडियो बनाने के दौरान किसी ने बिजली गिरने की घटना को भी मोबइल कैमरे में कैद कर लिया। आकाशीय बिजली गिरने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

भोजराज नाग के जीत पर दल्लीराजहरा भाजपा मंडल ने बधाई दी

श्रमबिन्दु / दल्लीराजहरा

भारतीय जनता पार्टी की केंद्र में सरकार बनने व कांकेर के लोकसभा से भोजराज नाग के जीत पर दल्लीराजहरा भाजपा मंडल ने उन्हें ? बधाई दी। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मतगणना के पश्चात एनडीए गठबंधन की सरकार बन गई है जिसमें माननीय नरेंद्र मोदी जी को गठबंधन का अध्यक्ष भी चुन लिया गया है । छत्तीसगढ़ में 11 सीटों में बीजेपी 10 सीटों में बहुमत हासिल की है कांकेर लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी के भोजराज नाग ने जीत दर्ज की है। भोजराज नाग को 5976 24 मत प्राप्त हुआ हैं कांग्रेस प्रत्याशी बीरेश ठाकुर 595740 मत मिले। कांकेर लोकसभा में भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग ने 1884 मतों के अंतर से कांग्रेस के बीरेश ठाकुर को हराया है एक बार फिर जनता ने कमल के फूल पर भरोसा जताया है।

दल्लीराजहरा मंडल के 38 बुथ में से एक दो बुथ को छोड़कर लगभग सभी में दल्लीराजहरा बढ़त की भाजपा को लगभग 5164 वोट के बढ़त मिलने पर दल्लीराजहरा मंडल के समस्त पदाधिकारीयों कार्यकर्ताओं एवं बुथ कमेटी के कार्यकर्ताओं सहित सभी 38 बूथ के मतदाताओं का आभार, कांकेर लोकसभा प्रत्याशी श्री भोजराज नाग जी द्वारा की व्यक्त किया है। दल्लीराजहरा मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी द्वारा कहा गया की 38 बूथों से मंडल के सभी कार्यकर्ताओं पदाधिकारी बूथ के कार्यकर्ताओं के कड़ी मेहनत का, परिणाम है कि विधानसभा में भी इसी तरह की बढ़त मिली थी कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ लोकसभा चुनाव में मेहनत किया जिससे बढ़त मिली है दल्ली राजहरा मंडल अध्यक्ष द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेता यंज्ञ दत्त शर्मा, यशवंत जैन, कृष्णकांत पवार जिला अध्यक्ष पवन साहू जिला महामंत्री चमन देशमुख राकेश यादव(छोटू) विधानसभा प्रभारी राजेश ताम्रकार सह प्रभारी देवेंद्र माहला विधानसभा संयोजक राजेश दसोड सहसंयोजक जयेश ठाकुर मंडल प्रभारी श्रीमती अनीता कुमेटी सभी वरिष्ठ जनों का सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा समस्त मडंल पदाधिकारी मोर्चा प्रकोष्ठ के, अध्यक्ष पदाधिकारी कार्यकारिणी के सदस्य शक्ति केंद्र के पदाधिकारी बुथ के कार्यकर्ता सहित समस्त पार्षद जनप्रतिनिधियों एवं दल्लीराजहरा मंडल के सभी 38 बुथ के मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी ने कहा भारतीय जनता पार्टी के प्रति आप सब का सहयोग इसी तरह से भविष्य में भी बना रहे।

युवक से नकदी सहित मोबाइल की लूट

रायपुर। गणेश नगर वीआईपी क्लब के पास अज्ञात तीन युवकों ने ई-बाइक में सवार पिज्जा डिलवरी व उसके दोस्त का रास्ता रोककर ई-बाइक, दो नग मोबाइल और नकदी 1700 रुपए लूट लिए। प्रार्थी की शिकायत पर खम्हारडीह पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सोहन चेलक 23 वर्ष ग्राम धनसुली का रहने वाला है। प्रार्थी पिज्जा डिलवरी का काम करता है। बताया जाता है कि प्रार्थी कल रात अपनी ई-बाइक में अपने दोस्त के साथ कहीं जा रहा था, तभी गणेशनगर वीआईपी क्लब के पास अज्ञात तीन युवकों ने प्रार्थी का रास्ता रोककर डरा धमका कर ई-बाइक, दो मोबाइल और नकदी 1700 रुपए लूट लिए। प्रार्थी की शिकायत पर

बकावंड जनपद में भ्रष्टाचार की हद हो गई, दो साल से मेहनताना के लिए भटक रहे हैं ग्रामीण

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

ग्राम पंचायत सतोषा-2 में सड़क, डबरी निर्माण की मजदूरी का भुगतान नहीं

बकावंड। विकासखंड बकावंड में सरकारी धन की लूट और मजदूरों का हक मारने के नित नए मामले आते ही रहते हैं। अब तो बकावंड ब्लॉक से एक ऐसा मामला सामने आया है जो भ्रष्टाचार के खुले खेल की पोल खोल रहा है। पसीना बहाने वाले मजदूर दो साल से अपने मेहनताना के लिए भटक रहे हैं। जिस डबरी और सड़क का निर्माण इन मजदूरों से कराया गया है, वह सड़क और डबरी अपना अस्तित्व खो रही हैं, मगर मजदूरों को उनका हक आज तक नहीं मिल पाया है।

विकासखंड बकावंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत सतोषा 2 में दो साल पहले मुख्य मार्ग से माता मंदिर तक 500 मीटर द्वितीय श्रेणी सड़क निर्माण कार्य ग्राम पंचायत सतोष द्वारा महात्मा गांधी रोजगार गारंटी के तहत कराया गया था। सड़क निर्माण में लगे मजदूरों को मजदूरी का भुगतान दो साल बीत जाने के बाद भी नहीं किया गया है। बताया जाता है सड़क निर्माण की पूरी स्वीकृत राशि आहरित की जा चुकी है। बावजूद मजदूरों का हक मारकर जिम्मेदार लोग अपनी जेबों में डाल चुके हैं। किसी मजदूर की मजदूरी राशि 8 हजार रुपए बनती है, तो किसी की 10 हजार रुपए। इसी तरह रोजगार गारंटी योजना के तहत सतोषा -2 पंचायत में ही डबरी का निर्माण कराया गया था, लेकिन डाबरी के काम में पसीना बहाने वाले मजदूरों को भी मजदूरी का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है। ग्रामीण मजदूरों ने कहा कि डबरी और सड़क निर्माण के लिए उनसे गोदी खुदाई करवाई गई थी, लेकिन ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक, सरपंच, सचिव और मेट द्वारा महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना में काम कराने के बाद भी सतोषा-2 के ग्रामीण मजदूरों को महात्मा गांधी के नाम पर छला गया।

इस मौन के मायने क्या?

रोजगार सहायक सोनाधर कश्यप से चर्चा करने पर उनका कहना है कि सभी मजदूरों के नाम पर मजदूरी डिमांड नोट जमा करा दिया था। राशि का आहरण भी हो चुका है, लेकिन ग्रामीणों मजदूरों के खाते में 2 साल बाद भी रोजगार गारंटी योजना की मजदूरी राशि नहीं पहुंच पाई है। सड़क और डबरी निर्माण में काम करने वाले मजदूरों ने रोजगार सहायक, सचिव और सरपंच पर दोनों कार्यों की राशि का गबन करने का आरोप लगाया है। ग्राम पंचायत सतोषा -2 के सचिव शंभूनाथ बघेल ने कहा कि मजदूरी का भुगतान होना चाहिए। वहीं बकावंड जनपद पंचायत के सीईओ एएस मांडवी ने इस मामले में कोई जवाब नहीं दिया। इस विषय पर परियोजना अधिकारी कौस्तुभ वर्मा से भी चर्चा की गई, लेकिन उन्होंने भी कोई जवाब नहीं दिया। इससे जाहिर होता है कि दोनों कार्यों की स्वीकृत राशि की नीचे से ऊपर तक बंदरबांट हुई है। इससे इस बात की भी तस्दीक होती है कि बकावंड जनपद क्षेत्र में शीर्ष अधिकारी के संरक्षण में भ्रष्टाचार का खुला खेल चल रहा है। यहां निर्माण कार्य तो घटिया स्तर के कराए ही जाते हैं, अब मजदूरों की मेहनत की कमाई को हजम करने से भी गुरेज नहीं किया जा रहा है।

बस्तर की आबोहवा ने संपत झा बाबू को बना दिया ट्रीमैन, पर्यावरण के इस दीवाने की कहानी है निराली

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

बस्तर के ट्री मैन संपत झा ने मिथिलांचल में रोपे पौधे

रोपे चंदन, बरगद, टिकोमा, गुलमोहर, जामुन के पौधे

जगदलपुर। बस्तर की हरियाली और निर्मल वातावरण ने बिहार के मूल निवासी समाजसेवी संपत झा को इस कदर प्रभावित किया कि उन्होंने पेड़ पौधे लगाने और पहले से मौजूद पेड़ों की सुरक्षा को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया है। उम्रदराज संपत झा की पेड़ पौधों के प्रति दीवानगी का आलम यह है कि वे जहां भी जाते हैं, वहां इस पुण्य कार्य को जारी रखते हैं। वे बस्तर के ट्री मैन के रूप में जाने पहचाने जाते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर श्री संपत झा बिहार के मिथिलांचल में थे।. इस मौके पर वहां नवयुवक कला परिषद द्वारा बाबू साहेब कॉलोनी कबिलपुर लहरिया सराय में पौधेरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहां चंदन, टिकोमा, बरगद, गुलमोहर, जामुन के पौधे लगाए गए। पौधरोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्राध्यापक श्री भाग्यनारायण झा ने की। मुख्य अथिति पर्यावरणविद और ट्रीमैन संपत झा थे। नवयुवक कला परिषद से योगानंद झा उर्फ बच्चा बाबू ,मणिकांत झा, शशिकांत झा, रामकुमार झा, आकाश कुमार, रौशन कुमार झा, सुभाष चंद झा, नितेश कुमार झा, प्रदीप कुमार झा, सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। पौधरोपण के बाद नवयुवक परिषद के सदस्यों द्वारा पौधे में ट्री गार्ड लगाकर सुरक्षित किया गया। श्री भाग्यनारायण झा एवं श्री संपत झा ने युवकों को पौधों की सुरक्षा की शपथ दिलाई ।साथ ही पौधरोपण के बाद नवयुवक परिषद के सदस्यों ने स्वल्पाहार का आयोजन कर बैठक आयोजित की ।युवाओं द्वारा जलवायु परिवर्तन एवं भीषण गर्मी की वजह घटती पेड़ों की संख्या को बताते हुए आगामी बारिश में पर्यावरण संरक्षण हेतु व्यापक पौधरोपण जनजागरण करने पर जल्द ही बैठक कर योजना बनाने की बात कही। कार्यक्रम में उपस्थित अथितियों का आभार व्यक्त किया गया।

बस्तर की हरियाली से प्रेरणा

श्री संपत झा को पेड़ पौधे लगाने की प्रेरणा जगदलपुर और बस्तर की हरियाली से मिली है। यहीं से उन्होंने अपने निवास ग्राम और आसपास की बस्तियों में पौधे लगाने की मुहिम शुरू की, जो अब बड़ा अभियान बनता जा रहा है। उनसे अभिप्रेरित होकर मिथिलांचल के युवा भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम आगे बढ़ा रहे हैं। संपत झा ने बस्तर की आबोहवा को अमृततुल्य करार दिया और इस अमृत धारा को मिथिलांचल तक ले ले जाने का संकल्प लेकर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का मिशन बना लिया। श्री झा ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काफी कार्य किया, लोगों को प्रोत्साहित किया। वे बस्तर की नामचीन हस्तियों में शामिल हैं और ट्रीमैन के नाम से चर्चित हैं। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में रुचि रखते हैं। बिहार में इनके किए गए पर्यावरण संरक्षण कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा हो रही है।

बीमारी से त्रस्त होकर महिला ने दी जान

जशपुर-रायपुर। जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. बगीचा थाना अंतर्गत ग्राम महनई में एक पहाड़ी कोरवा महिला की पेड़ से लटकती हुई लाश मिली है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है. इस घटना में यह बात सामने आई है कि महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है. वह लंबे समय से बीमार चल रही थी. मिली जानकारी के अनुसार, बगीचा थाना क्षेत्र के चौकी पण्ड्रापाठ अन्तर्गत ग्राम महनई में एक पहाड़ी कोरवा महिला की पेड़ से लटकी हुई लाश मिली. आसपास के लोगों ने जब महिला का शव फंदे से लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी. जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. बताया जा रहा है की महिला पिछले कई महीनों से बीमार थी और बीमारी से तंग आकर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. मृतिका का नाम बिफनी बाई पति रूनवा राम बताया जा रहा है।

ट्रेन में दो बच्चे भीषण गर्मी-उमस से हुए बेहोश

रायपुर,। भीषण गर्मी और उमस के बीच हावड़ा अहमदाबाद एक्सप्रेस के जनरल कोच में दो बच्चे अचानक बेहोश हो गए। इससे पूरे कोच में हड़कंप मच गया। ट्रेन में सवार टीटीई ने तुरंत इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी। कंट्रोल रूम ने तत्काल भाटापारा स्टेशन प्रबंधक को इसकी जानकारी दी। ट्रेन जैसे ही भाटापारा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर- 3 पर पहुंचनी, वहां पहले मौजूद स्टेशन प्रबंधक ने तुरंत बच्चों को ट्रेन से उतारा और भाटापारा जिला अस्पताल ले गए। प्रारंभिक उपचार के बाद परिवार को प्राइवेट वाहन से रायपुर के लिए रवाना किया। बता दें कि भव्या राजपूत (15) और कृतग्य राजपूत (10) अपनी मां सोमना राजपूत पिता पुनीत कुमार के साथ गुरुवार को हावड़ा अहमदाबाद एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे में सफर कर रहे थे। बच्चे परिवार के साथ बिलासपुर से रायपुर आ रहे थे। दोपहर करीब पौने दो बजे थे।

भोजराज की जीत पर युवराज लाल निवेंद्र सिंह टेकाम ने दी बधाई, कहा

अब तेजी से होगा क्षेत्र का विकास

श्रमबिन्दु / डौंडीलोहारा

डबल इंजन की सरकार में अब नहीं रुकेगा कोई काम

कांकेर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग की जीत से भाजपाई उत्साहित हैं। इस क्रम में डौंडी लोहारा के युवराज लाल निवेंद्र सिंह टेकाम ने उनसे भेंटकर उन्हें जीत की शुभकामनाएं दी। युवराज लाल निवेंद्र सिंह टेकाम ने साथ ही छत्तीसगढ़ में 10 सीट जीतने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को भी गुलदस्ता भेंटकर उनका स्वागत अभिनंदन किया और उनसे आशीर्वाद भी लिया।

इस अवसर पर युवराज लाल निवेंद्र सिंह टेकाम ने कहा कि मिलनसार, सरल सहज स्वभाव के धनी सांसद भोजराज नाग के नेतृत्व में अब क्षेत्र का विकास तेजी से होगा। क्षेत्र की समस्याओं और मुद्दों के दिल्ली में प्रमुखता से उठाएंगे। सनातन धर्म की रक्षा के साथ उन्होंने वनांचल में काफी लड़ाई लड़ी है और इस जीत ने साबित कर दिया है कि धर्म की जीत निश्चित होती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार है। मुख्यमंत्री विष्णु देव के नेतृत्व के लगातार तीन माह से तेजी से विकास हो रहे हैं। तो अब देश में तीसरी बार मोदी की सरकार बनने जा रही है। इससे जनता में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार से अब डौंडी लोहारा विधानसभा क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का विकास तेजी से होगा। रुके हुए काम होंगे। लोगों की आस पूरी होनी है। जनता की जो उम्मीदें हैं उन्हें पूरा करने का वक्त आया है। भाजपा इस जीत से दुगुने उत्साह में है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का भी आभार जताते हुए कहा कि सबकी जीतोड़ मेहनत से हमें यह सफलता हासिल हुई है। काफी टक्कर के साथ कांग्रेस प्रत्याशी को हराकर भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग ने अपनी जीत दर्ज की है। इसके लिए सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं। जिन्होंने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोकी थी।

मंडल के 122 बूथों में सफलता

बता दें कि लोहारा मंडल से भाजपा प्रत्याशी की जीत में जिला भाजपा अध्यक्ष पवन साहू के नेतृत्व में मंडल के 122 बूथों में संपूर्ण चुनाव में सफलता मिली है। मंडल अध्यक्ष रूपेश सिन्हा ने बताया कि जिला कोषाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी दिलीप शर्मा के कुशल मार्गदर्शन एवं सटीक राजनीतिक रणनीति से मंडल क्षेत्र में भाजपा ने कांग्रेस पर बढ़त प्राप्त की है। भाजपा की बढ़त के लिए युवराज लाल निवेंद्र सिंह टेकाम सहित जिले के सभी पदाधिकारियों की सक्रिय रूप से भागीदारी के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

इस तरह चला चुनावी दौर

मंडल प्रभारी दिलीप शर्मा द्वारा लोहारा मंडल के सभी बूथों में पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति कर भाजपा प्रत्याशी के प्रचार को ग्राम के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचाकर भाजपा के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा मतदान कराने में सफलता प्राप्त की गई, जिसके कारण विगत विधानसभा चुनाव भाजपा के दौरान लोहारा मंडल में लगभग 10 हजार वोटों की हार के गड्ढे को पाटते हुए लगभग 1000 वोटों से वर्तमान लोकसभा चुनाव में बढ़त दिलाने में सफलता प्राप्त हुई है। मंडल के 122 में से 65 बूथों में बढ़त बनाकर यह सफलता प्राप्त की गई है।

प्रभार के बूथों में बढ़त

युवराज लाल निवेंद्र सिंह टेकाम को भी कई बूथों का प्रभारी बनाया गया था। जहां भाजपा को अच्छी खासी बढ़त मिली है। इसमें लाल निवेंद्र सिंह टेकाम कामता, गुरमी, चिल्हाटी, चिल्हाटी कला , देवरी कुम्हलोरी, खरथुली, जोगीभाट इत्यादि अन्य जगहों के प्रभारी थे। इन सारी जगहों पर भाजपा जीती है। भाजपा प्रत्याशी की जीत सहित पूरे छत्तीसगढ़ में 10 सीट जीतने पर लाल निवेंद्र सिंह टेकाम ने डौंडी लोहारा विधानसभा क्षेत्र के सभी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं को बधाई दी और प्रदेश के यशश्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भी प्रत्यक्ष मुलाकात कर गुलदस्ता भेंटकर उन्हें बधाई दी।

कार्यालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी बकावण्ड, जिला-बस्तर (छ.ग.)

राप्र0सं0 202403150000056/ 265/8-121/2023-24

// **उद्घोषणा** //

इस उदघोषणा के जरिए आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक बैधनाथ कश्यप पिता आशाराम कश्यप जाति भत्तरा निवासी ग्राम नेगानार तहसील बकावण्ड जिला बस्तर ने अपने माता जी स्व0 चीतामनी कश्यप पति आशाराम कश्यप ग्राम नेमानार तहसील बकावण्ड जिला बस्तर का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया है।

अत: आवेदक के माता जी स्व0 चीतामनी कश्यप पति आशाराम कश्यप ग्राम नेगानार तहसील बकावण्ड का मृत्यु दिनांक 23/10/2012 (तेईस अक्टूबर सन दो हजार बारह) को ग्राम नेगानार तहसील बकावण्ड जिला बस्तर में हुआ है। आवेदक बैधनाथ कश्यप पिता आशाराम कश्यप जाति भतरा निवासी ग्राम नेगानार तहसील बकावण्ड जिला बस्तर को अपने माता सी स्व0 चीतामनी कश्यप पत्ति आशाराम कश्यप ग्राम नेगानार तहसील बकावण्ड जिला बस्तर का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा/आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 10/06/2024 के पूर्व प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त अभ्यावेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 28/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बकावण्ड, जिला-बस्तर

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं यूनुस मोहम्मद पिता दिलावर मोहम्मद खान मं. 13 साहू पारा मार्ग इंडेन गैस एजेंसी गली कवर्धा जिला कबीरधाम छ.ग. 491995 यह शपथ करता हूं कि मैने अपना पुराना नाम को त्याग कर,यूनुस मोहम्मद खान, पिता दिलावर मोहम्मद खान (YUNUS MOHAMMAD KHAN) s/o DILAWAR MOHAMMAD KHAN रख लिया हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम युनुस मोहम्मद खान, पिता दिलावर मोहम्मद खान (YUNUS MOHAM-MAD KHAN) S/o (DILAWAR MOHAMMAD KHAN)से ही जाना व पहचाना जावें।

यूनुस मोहम्मद खान
कवर्धा जिला कबीरधाम
छत्तीसगढ़ पिन 491995

अंतरराष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस पर वाकाथन का आयोजन

समपार फाटक पार करने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में लोगों को जागरूक किया गया

श्रमबिन्दु / रायपुर

दिनांक 04.06.24 से 10.06.24 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है , जिसके तहत दिनांक 06.06.24 को अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस के अवसर पर रायपुर में श्री राजेन्द्र कुमार साहू, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परि.)रायपुर की अध्यक्षता में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से खमतराई फाटक होते हुए पुन: मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय तक वाकाथन का आयोजन किया गया, जिसमें श्री वी. रवि, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी,रायपुर के साथ-साथ रायपुर मंडल के सभी शाखा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे । इस कार्यक्रम में मंडल के कुल 09 अधिकारियों, 10 सुपरवाइजर, 35 कर्मचारी एवं 25 सिविल डिफेंस वालंटियर सहित कुल लगभग 110 लोगों ने भाग लिया ।

वकाथन के दौरान समपार फाटक पार करने वाले लोगों एवं रेलवे फाटक के आसपास की दुकानों तथा मेन रोड पर चलने वाले व्यक्तियों को समपार फाटक पार करने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां के बारे में जागरूक कराया गया। जागरुकता अभियान में करीब 350 लोगों को जागरूक कराया गया तथा फाटक बंद रहने पर उसे पर न करने की जानकारी भी प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के मुख्य द्वार पर डी सी ए टीम एवं सिविल डिफेंस वोलैंटियर के द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन/रायपुर ने अपने वक्तव्य में समपार फाटक पार करते समय दुर्घटना से देर भली का नारा बुलंद किया। वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, श्री वी. रवि ने कार्यक्रम का समापन करते हुए वाकाथन में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

संरक्षा अधिकारियों , संरक्षा सलाहकारों एवं सिविल डिफेंस वोलैंटियर के द्वारा भिलाई पावर हाउस, बिल्हा, लखोली स्टेशन, एवं विभिन्नं समपार फाटकों जैसे खमतराई गेट, उरकुरा, मांढर, जिंदल, स्टेडियम, बिल्हा गेट सहित कुल 12 गेट तथा मंदिरहसौद बाजार एवं सेरीखेरी , पिरदा एवं तुलसी गांव में जाकर लोगों को पंपलेट वितरण करके , स्टीकर चिपका कर एवं बैनर लगाकर लोगों की काउंसलिंग की गई तथा समपार फाटक को सही तरीके से पार करने एवं इससे संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी 64 अधिकारी एवं सुपरवाइजर तथा 25 सिविल डिफेंस वालंटियर एवं कर्मचारी के द्वारा दी गई एवं 672 पामपलेट वितरण करके कुल लगभग 1325 लोगों की काउंसिलिंग की गई। इस अवसर पर रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में ऑडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान किया जा रहा है । इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संरक्षा विभाग के संरक्षा सलाहकारों तथा कर्मचारियों के द्वारा कडी मेहनत की गई।

केशकाल के मेधावी छात्र वर्षित को नीट में सफलता पर विधायक टेकाम ने किया सम्मानित

श्रमबिन्दु / कोण्डागांव

जिले के नगर पंचायत केशकाल निवासी भूपेश कुमार नाविक व्याख्याता केशकाल एवं ललिता नाविक शिक्षिका के सुपुत्र वर्षित कुमार नाविक ने नीट परीक्षा में 720 अंक में से 653 अंक लाकर केशकाल एवं जिले का नाम रोशन किया है। वर्षित नाविक की प्राथमिक शिक्षा गिरीदिप स्कूल एवं सरस्वती शिशु मंदिर केशकाल में हुई वहीं छठवीं से 12वीं तक की शिक्षा उन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय जगदलपुर से की, दसवीं सीबीएसई बोर्ड एग्जाम में उन्होंने 91त्न एवं 12वीं सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा में 88त्न अंक लाकर केशकाल का नाम रोशन किया था अब नीट की परीक्षा 2024 में 720 में से 653 अंक लाकर उनका चयन नीट के लिए हुआ है केमिस्ट्री में भी उन्होंने 180 में से 180 अंक प्राप्त किया। बचपन से ही वर्षित मेधावी छात्र रहे हैं केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने वर्षित नाविक के साथ उनके माता-पिता को अपने बंगले में बुलाकर सम्मानित किया उन्होंने कहा की केशकाल क्षेत्रवासियों के लिए यह हर्ष का पल है हर्षित ने केशकाल एवं जिले का नाम रोशन किया है उन्होंने हर्षित कुमार को बधाई दी।

खास खबर

एक दिवसीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 14 जून को

श्रमबिन्दु / कांकेर

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कांकेर में 14 जून को सुबह 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक एक दिवसीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा, जिसमें निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा कुल 470 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी श्री बी.आर. ठाकुर ने जानकारी दी है कि उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सेक्युरिटी गार्ड के 300, सेक्युटरी सुपरवाईजर के 50, लेबर के 100 और शिक्षक के 20 रिक्त पदों पर भर्ती किया जाएगा। इच्छुक आवेदक प्लेसमेंट कैम्प में उपस्थित होकर अपना सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर नियोक्ता द्वारा प्राथमिक चयन कर साक्षात्कार लेकर उसकी सूचना फेन के माध्यम से आवेदक को दिया जाएगा।

गांव को ओडीएफप्लस बनाए जाने हेतु आयोजित हुई कार्यशाला

एमसीबी। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत जिले को ओडीएफप्लस मॉडल बनाए जाने हेतु जनपद सभागार मनेंद्रगढ़ में पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्वच्छग्राहियों के मध्य ओडीएफ प्लस ग्राम निर्माण की समझाईश विकसित करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान ओडीएफ प्लस मॉडल गांव प्रमुख आयाम एवं ग्राम पंचायत के उत्तरदायित्व के साथ डोर टू डोर अपशिष्ट संग्रहण एवं पृथक्करण की प्रक्रिया को समझ विकसित की गई। जिससे ग्रामीण अंचलों में भी शहर की तर्ज पर डोर टू डोर अपशिष्ट संग्रहण एवं पृथक्करण का क्रियान्वयन सुचारू रूप से संचालित करने में ग्राम पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। कार्यशाला में उपस्थित परियोजना निदेशक नितेश उपाध्याय ने स्पष्ट रूप से ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव को निर्देश दिए हैं कि गांव के चौक चौराहे सार्वजनिक स्थल सामुदायिक सहभागिता से साफ-स्वच्छ प्रतीक होंगे। रिसोर्स सेग्रीगेशन के आधार पर घर से निकलने वाले गीले कचरे को परिवार के मुखिया या परिवार जनों के द्वारा प्रबंध किया जाएगा एवं घरों से निकलने वाले ठोस अर्थात सूखे कचरे का संग्रहण का कार्य स्वच्छागृही समूह के द्वारा किया जाएगा। परिणाम स्वरूप जहां एक ओर गांव की गंदगी दूर होगी और बीमारियों से निजात मिलेगी वहीं दूसरी ओर स्वयं सहायता समूह की स्वच्छताग्राही महिलाओं को अतिरिक्त आय का स्रोत अपशिष्ट संग्रह कार्य बनेगा, ग्राम पंचायत के माध्यम से प्रतिमाह प्रत्येक परिवार से 10,20 रूपये स्वच्छता शुल्क के रूप में लिया जाएगा। ग्राम पंचायत में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी करने पर होगी जुर्माने की कार्रवाई साथ सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध हेतु किया जाएगा। कार्यशाला में जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनआरएलएम रितेश पाटीदार, जिला सलाहकार राजेश जैन, ब्लॉक समन्वयक नेहा सिंह, प्रभा प्यासी के साथ ग्राम पंचायत चैनपुर, चौघडा लालपुर, शंकरगढ़, चंवरीडांड, पिपरिया सहित ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव एवं स्वच्छ ग्राही उपस्थित रहे।

युवक पर चाकू से हमला कर लूटपाट

रायपुर, । न्यू राजेन्द्र नगर विजेता कॉम्पलेक्स के पास तीन युवकों ने चाकू से हमला कर एक्टिवा सवार दो युवकों से चांदी का चेन, आईफोन व नकदी 11900 रुपए लूट लिए। प्रार्थी की शिकायत पर न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ लूट का अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सूजल रूपरेला 18 वर्ष कृष्णा अपार्टमेंट पुरानी बस्ती का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपने दोस्त दिव्यांश के साथ एक्टिवा में सवार होकर जा रहा था,आईफोन व नकदी 11900 रुपए लूटकर फरार हो गए।

डॉ. प्रिंस जायसवाल ने शर्मा अस्पताल के संचालक की एनेस्थीसिया डिप्लोमा की जॉच के लिए शासन को लिखा पत्र

आरटीआई से जानकारी में विश्वविघालय ने दिया जवाब हमारे यहा ऐसा कोई पाठयक्रम नही

श्रमबिन्दु / कोरिया

डॉ. प्रिंस जायसवाल ने अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से डॉ. राकेश कुमार शर्मा, संचालक शर्मा हॉस्पिटल के एनेस्थीसिया में डिप्लोमा के दस्तावेज की जांच कराने की मांग की है। उन्होने अपने लिखित पत्र में कहा है कि आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ. राकेश शर्मा के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह तथा रोगोपचार संबंधी अधिनियम, 2013 अंतर्गत पंजीयन हेतु संलग्न एनेस्थीसिया में डिप्लोमा का जो दस्तावेज अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा से सन् 1993 में पैरामेडिकल डिप्लोमा इन एनेस्थीसिया का प्रस्तुत किया गया है। वह गलत है। जबकि डॉ. प्रिंस के द्वारा आरटीआई लगाकर विश्वविघालय से जानकारी ली गई जिस पर विश्व विघालय ने जो जवाब दिया वह अपने आप में पूरे मामले से पर्दा हटाने के लिए काफी है। विश्वघालय ने आरटीआई का लिखित जवाब में कहा है कि पैरामेडिकल डिप्लोमा इन एनेस्थीसिया चिकित्सक जैसा कोई कोर्स उनके यहा संचालित ही नही होता है। इसलिए डॉ. प्रिंस ने कहा कि कई दशको से बैकुंठपुर के शर्मा अस्पताल के संचालक डॉ. राकेश शर्मा की योग्यता की उच्चस्तरिय जॉच होनी चाहिए। यदि इनके द्वारा शासन और प्रशासन को दिया गया दस्तावेज फर्जी है तो फिर झूठी डिग्री के सहारे ईलाज करने वाले डाक्टर का सही ईलाज होना चाहिए।

यह है पूरा मामला

बैकुंठपुर के शर्मा अस्पताल के संचालक डॉ. राकेश शर्मा के द्वारा छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान परिषद् में दिनॉक 24.11.2018 को अपना पंजीयन कराया गया है। जिसमें केवल जबलपुर विश्वविद्यालय से सत्र 1981 में एमबीबीएस (आयुर्विज्ञान एवं शल्यविज्ञान-स्नातक) की उपाधि का उल्लेख है। वही पर डॉ. शर्मा के द्वारा 19.02.2024 को छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान परिषद् में जारी एडिशनल रजिस्ट्रेशन सर्टिफिक्रेट अंतर्गत अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा से 1993 में डिप्लोमा इन एनेस्थीसिया कोर्स का उल्लेख किया गया है। विश्वविद्यालय के द्वारा जारी प्रमाण पत्र एवं परिषद् के द्वारा जारी प्रमाण पत्र में उल्लेखित एनेस्थीसिया कोर्स संबंधित विवरण में विरोधाभाष है। यही कारण है कि डॉ. प्रिंस ने मामले की जांच कराकर, दोषी पाये जाने पर कडी कार्यवाई का अनुरोध शासन से किया है।

बजरंग दल एवं विहिप के लोगों ने निकाला मशाल जुलूस

श्रमबिन्दु / रामानुजगंज

बलरामपुर रामानुजगंज जिले के बजरंग दल के जिला सह संयोजक सुजीत स्वर्णकार का शव मिलने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर गुरुवार की रात बजरंग दल और विहिप के कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत क्षेत्र मे जुलूस निकाल कर एक बार फिर अपना विरोध दर्ज किया है। दोनों दल के लोगों ने मसाल जुलूस निकालने के पीछे एक ही उद्देश्य है कि उक्त घटना में निष्पक्ष जांच करते हुए दोषियों को सजा दिलाई जाए।

उक्त जुलूस की शुरुआत महामाया मंदिर के समीप पुराने बस स्टैंड से दोनों दलों के पदाधिकारी एवं कर्यकर्ताओं ने भारी संख्या में मसाल जुलूस निकाला जो पूरे नगर के मुख्य चौक चौराहे से होते हुए अपने मांगों को लेकर पूरा नगर भ्रमण किया गया। गौरतलब हैं कि 27 मई की सुबह बलरामपुर जिला मुख्यालय के पास डूमरखी जंगल में बजरंग दल नेता सुजीत स्वर्णकार और एक अन्य युवती की लाश मिली थी जिसके बाद हड़कंप मच गया था प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर करंट लगने से मौत की पुष्टि हुई जिसके बाद पुलिस ने जंगल में सुअर का शिकार करने के लिए करंट बिछाने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता पुलिस की जांच से संतुष्ट नहीं है और वही उक्त मामले में निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। व्ही पुलिस प्रशासन का दावा है कि बजरंग दल के नेता की मौत करंट लगने से हुई है लेकिन बजरंग दल और विहिप के नेताओं का आरोप है कि सुजीत स्वर्णकार की हत्या की गई है। इसके संबंध में रामानुजगंज विधानसभा के विधायक एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश के कृषि मंत्री राम विचार नेताम के द्वारा छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री से एसआईटी जांच के लिए भी निवेदन किया गया है अब देखना यह होगा कि उक्त मामले में क्या कार्रवाई होती है। इस मामले को लेकर जिले वासियो सहित बजरंग दल एवं विहिप के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की नजर टिकी हुई है। वही इस मामले को लेकर पूरे छत्तीसगढ़ में विरोध की स्थिति बनी हुई है।

उक्त मसाल जुलूस कार्यक्रम में सारांश केशरी जिला संयोजक बजरंग दल के साथ साथ प्रखंड संयोजक नयन गुप्ता,गौ रक्षा प्रमुख सूरज कश्यप,सुरक्षा प्रमुख निहाल कश्यप,नगर संयोजक सुशील मेहरा,साप्ताहिक प्रमुख आकाश ठाकुर,नगर सह संयोजक सौरभ श्रीवास्तव,विद्यार्थी प्रमुख रंजन शर्मा,मिटगई खंड प्रमुख प्रहलाद यादव,सूरज पासवान,कृष्णा पासवान,आर्यन गुप्ता,निशान ठाकुर,शंकर शर्मा, विद्यासागर पटेल,विशाल कुमार,सचिन पासवान गौतम गुप्ता,ऋषि पासवान,आनंद विश्वकर्मा, हरिनंद ठाकुर,सोनू पासवान,विशाल कश्यप,आनंद कश्यप,अरुण कश्यप,आकाश कश्यप सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एनएमडीसी, बचेली परियोजना में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

श्रमबिन्दु / दंतेवाड़ा

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बचेली बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस-2024, बैलाडीला लौह अयस्क खान, बचेली कॉम्प्लेक्स द्वारा हर्ष एवं उल्लास से मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा घोषित विषय भूमि का पुर्नोद्धार, मरुस्थलीकरण और सुखे से निपटने की शक्ति पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम जैसे वृक्षारोपण, निबंध लेखन, नारा लेखन, चित्रकला प्रतियोगिताएं तथा जूट थैलों का वितरण आयोजित किये गये।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक द्वारा वृक्षारोपण किया गया जिसके उपरान्त डी.पी. शेट्टी, एस.एम. जगदीश्वर, जे.सी.दास, जागेश्वर प्रसाद, देबाशीष पॉल एवं अन्य विभागाध्यक्षों द्वारा संपन्न किया गया। जिसके उपरान्त बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलायी गयी। तत्पश्चात मंच पर उपस्थित सभी सम्मान्नीय अधिकारी एवं युनियन प्रतिनिधी द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर संबोधन दिया गया। बीआईओएम, बचेली कॉम्प्लेक्स द्वारा प्लास्टिक वेस्ट को कम करने हेतु जुट थैला का वितरण करने का निश्चय किया गया है। जिसका शुभारंभ बी. वेंकटेश्वरलु अधिशासी निदेशक द्वारा सभी विभागाध्यक्षो एवं युनियन प्रतिनिधियों को जुट थैला प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम में आगे विजेताओं को बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। अंत में अंशुमान त्रिपाठी, सहायक महाप्रबंधक (पर्यावरण) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

बोर्ड परीक्षा परिणाम को लेकर बहुत दुखी हैं बलरामपुर जिले के कलेक्टर

श्रमबिन्दु / बलरामपुर

जिले में संचालित होने वाले शैक्षणिक संस्थाओं के बोर्ड परीक्षा परिणाम से कलेक्टर बहुत दुखी है उन्होने बेहतर परिणाम के लिए कड़े निर्देश दिए हैं। गत दिनों संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की विभागीय समीक्षा का आयोजन किया गया था।

जिसमें कलेक्टर रिमिजियुस एक्का ने समीक्षा करने के बाद बोर्ड परीक्षा परिणाम को लेकर काफी गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इस वर्ष जारी कक्षा 10 वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम के मद्देनजर आगामी नए शिक्षा सत्र में बेहतर प्रयास कर अधिक से अधिक बच्चों को स्टेट मेरिट सूची में लाने का प्रयास करें। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी डी.एन.मिश्रा से कहा कि अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले प्राचार्यों एवं शिक्षकों पर कड़ी कार्रवाई करें। वही अ-शासकीय विद्यालय से अधुरी जानकारी अ-प्राप्त होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने सभी प्राचार्यो को आगामी बैठक में पूर्ण जानकारी लेकर उपस्थित होने को कहा। उन्होंने स्कूलों के निर्माणाधीन भवन, शौचालय, भवन मरम्मत,आदि सुधार व्यवस्था की जानकारी लेते आगामी नए शिक्षा सत्र के लिए स्कूलों एवं छात्रावासों में साफ-सफाई करने के साथ आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आयोजित बैठक में जिला पंचायत सीईओ रेना जमील विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी,शासकीय एवं अ-शासकीय विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

जिले में शिककों कि संलग्निकरण बनी वजह

आज जिला बलरामपुर रामानुजगंज में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से लेकर एसडीएम कार्यालय तहसीलदार कार्यालय सहित अन्य कार्यालयो में राजनीतिक रशुखों के दम पर संलग्निकरण का खेल खुलेआम चल रहा है। जिसका परिणाम सामने देखने को भी मिल रहा है इसके बाद भी इस दिशा में कलेक्टर जिला पंचायत सीईओ एवं जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा किसी प्रकार का कोई पहल नहीं किया जा रहा है जब तक से संलग्निकरण का खेल समाप्त नहीं किया जाएगा तब तक विद्यालयों में शिक्षा के प्रति सकारात्मक परिणाम नहीं आ सकते। संलग्निकरण समाप्त करने का पहल सबसे पहले जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से शुरुआत होनी चाहिए और नहीं तो आयोजित समीक्षा बैठक में दुख प्रकट करना एवं कड़े निर्देश देने का कोई महत्व नहीं रह जाएगा।

बिना ड्यूटी के भी कई चहते शिक्षकों को मिल रहे वेतन

आज रामानुजगंज बलरामपुर जिले में कई शिक्षकों को बिना ड्यूटी के भी विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रत्येक माह उनका वेतन प्रदान कर रहे हैं जबकि इस जिले के नागरिक इस बात को भली-भांति जान रहा है कि वह शिक्षक स्कूलों में ड्यूटी नहीं कर रहा है और अपना बिजनेस व्यापार में लगा हुआ है इस बात की जानकारी जिले के आम नागरिकों को है लेकिन उस विभाग के संबंधित अधिकारियों को नहीं है यह कैसे हो सकता है? इसके पीछे का क्या राज है और संबंधित विभाग के अधिकारियों की क्या मजबूरी है यह तो वही जाने लेकिन बात जहां शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की हो रही है तो इनके लापरवाही की चर्चा तो होना लाजमी है।

एक त्रुटिपूर्ण रणनीति का बेढंगा निपटान

संपादकीय...

प्रभावित हुए लोगों को न्याय न मिलने की धारणा और त्रासदी की चुभन अभी भी सालती है। तमाम संबंधित पक्षों राजनीतिक तत्व, सरकार के इशारे पर काम करने वाले, आतंकवादी और नरसंहार में लिप्त भीड़- की जवाबदेही तय करने के लिए यदि सत्य एवं सुलहकारी कोई आयोग बनाया गया होता तो शायद न्यायिक प्रक्रिया एवं मान-मनौव्वल से अंततः आहत भावनाओं के मामले का संतोषप्रद समाधान हो पाता।

वर्ष 1984 एक विध्वंसक साल रहा। इसमें घटित बड़े प्रसंग गौरतलब हैंङ्क ऑपरेशन ब्लू स्टार, प्रधानमंत्री की हत्या और सिख विरोधी नरसंहारङ्क इस एक बरस ने राष्ट्र के आंतरिक विमर्श और इतिहास का जिस प्रकार निर्धारण किया उतना शायद आजादी के उपरांत किसी अन्य साल ने नहीं किया। 40 साल गुजरना भी इसके आघात की टीस नहीं भर पाया। प्रभावित हुए लोगों को न्याय न मिलने की धारणा और त्रासदी की चुभन अभी भी सालती है। तमाम संबंधित पक्षों ङ्क राजनीतिक तत्व, सरकार के इशारे पर काम करने वाले, आतंकवादी और नरसंहार में लिप्त भीड़- की जवाबदेही तय करने के लिए यदि सत्य एवं सुलहकारी कोई आयोग बनाया गया होता तो शायद न्यायिक प्रक्रिया एवं मान-मनौव्वल से अंततः आहत भावनाओं के मामले का संतोषप्रद समाधान हो पाता।

क्या ऑपरेशन ब्लू स्टार करने से बचा जा सकता था? तत्कालीन केंद्रीय सरकार आतंकवाद को खत्म के वास्ते इस कार्रवाई को बतौर एक अवश्यंभावी उपाय पेश करती रही। उस वक्त हथियारबंद विद्रोहियों ने पूरे स्वर्ण मंदिर परिसर पर कब्जा कर रखा था और हथियारों से लैस चौकियां बना डाली और संवैधानिक रूप से स्थापित राष्ट्र-नीति की वैधता को चुनौती देने को उद्यत थे। आम दलील अक्सर यह आती है- यदि स्वर्ण मंदिर परिसर में सशस्त्र विद्रोही किलेबंदी न करते तब क्योंकर सेना लगाने की जरूरत पड़ती।

आस्थावानों की धारणा किंतु इससे विपरीत है। ऑपरेशन ब्लू स्टार को सिखों के सबसे पवित्रतम स्थल को अपमानित करने की एक पूर्व निर्धारित योजना के रूप में देखा जाता है, जिसके पीछे मकसद था ध्रुवीकरण पैदा करके कुछ महीने बाद होने वाले आम चुनाव में राजनीतिक लाभ उठाना। इसको समझने के लिए आठवीं लोकसभा के चुनाव प्रचार में जारी विज्ञापनों में ध्रुवीकरण करती इबारत बांचें तो ङ्क'क्या देश की सीमा अतंत: आपकी दहलीज़ तक आ जाएगी' या सिख चालक वाली टैक्सी दिखाकर संलग्न किया सवाल :'क्या आप इस टैक्सी में सुरक्षित महसूस करेंगे'।

विध्वंसक घटनाएं अक्सर उद्देश्य को ढांप देती है, विशेषकर आस्था के मामले में। ब्लू स्टार के मामले में अब कुछ तथ्य पूरी तरह स्थापित एवं किंतु-परंतु से इतर स्पष्ट हैं। संक्षेप में घटनाक्रम बताएं तो, अकाली दल ने 4 अगस्त, 1982 को अपनी दस मांगों को लेकर मोर्चा लगाने का ऐलान कियाङ्क इनमें धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक और अंतर-राज्यीय विवाद संबंधी मुद्दे थे। इसके लिए प्रदर्शनकारी रोज शांतिपूर्ण ढंग से गिरफ्तारियां देते थे। जून 1984 तक, लगभग 1 लाख 70 हजार कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी। पंजाब के लगभग 12000 गांवों में शायद ही कोई ऐसा होगा जहां से लोगों ने इस आंदोलन में भाग न लिया हो। अकालियों को अपने अनाड़ीपन में लगता था कि यदि वे जेलें भर देंगे तो केंद्र सरकार उनकी मांगें मानने को मजबूर हो जाएगी। लगभग दो साल चले इस आंदोलन में कोई 26 मौके ऐसे आए जब समझौते के प्रयास सिरे चढ़ते महसूस हुए, कुछ में प्रधानमंत्री और विपक्षी नेताओं ने भी भाग लिया। कम से कम दो अवसर ऐसे रहे जब सहमति पूरी तरह बन गई लेकिन केंद्र सरकार ऐन मौके पर पीछे हट गई। लगता है सरकार ने राजनीतिक हल न निकालने का मन बना लिया था और कैबिनेट की उप समिति ने मई 1984 में समस्या का सैन्य समाधान करना चुना। प्रणब मुखर्जी द्वारा पेश चेतावनी को किनारे करते हुए प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कहा :'प्रणब, मुझे नतीजों के बारे में ज्ञान हैङ्क यह निर्णय बदला नहीं जा सकता'। फिर 25 मई को सेना प्रमुख को सेना को अमृतसर पहुंचाने के आदेश दिए गए हालांकि दिखावे के तौर पर 29 मई को अकालियों के एक प्रतिनिधिमंडल से केंद्रीय मंत्रियों का समझौता वार्ता का क्रम जारी रहा। इसमें आम सहमति बन भी गई लेकिन बाद में केंद्रीय मंत्री अपनी बात से यह कहकर पीछे हट गए :'मैडम नहीं मान रहीं'।

पंजाब के तत्कालीन राज्यपाल बीडी पांडे को सेना बुलाने के लिए अर्जी देने के कहा गया और इसके वास्ते औपचारिक आदेश पंजाब के गृह सचिव ने 2 जून को जारी किए। सेना ने स्वर्ण मंदिर और अन्य 42 गुरुद्वारों पर कार्रवाई की। राज्यपाल पांडे ने सैन्य अभियान न किए जाने की गुहार लगाई और बाद में पुष्टि की कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी राजनीतिक हल नहीं चाहती थीं। उधर जरनैल सिंह भिंडरावाले के साथ भी सरकार की प्रस्तावित वार्ताएं दो बार स्थगित हुईं ङ्क जिसमें एक सीधी राजीव गांधी से होनी थीङ्क तब जरनैल सिंह भिंडरांवाले ने अपने समर्थकों से कहा : 'वार्ता भले जारी रखो, लेकिन अपनी तैयारी भी पूरी रखो'। और यह तैयारी थी सशस्त्र आंदोलन की, जो अकाली दल के शांतिपूर्ण मोर्चे के समानांतर चली हुई थी। विद्रोही इसे 'हकां दी लड़ाई' करार दे रहे थे। उनके लिए, हिंसा पुलिसिया जबर की प्रतिक्रिया थी और राजसत्ता से संवाद का एक अन्य ढंग भी, उनके अपने तरीके का। चूंकि विद्रोहियों को संवैधानिक रूप से वैधता प्राप्त नहीं होती इसलिए वे विद्वान मार्क जुएर्गेंस्मेयर के शब्दों में 'धर्म प्रदत अधि-नैतिकता' को अपनी स्वीकार्यता का आधार बताते हैं। तत्पश्चात हिंसा उतरोत्तर बढ़ती गई। पाकिस्तान ने विद्रोहियों को प्रशिक्षण और हथियार देकर अपना खेल शुरू कर दिया।

पाक-साफ होकर भी उदासी का सबब

अशोक गौतम

ये ईवीएम महारानी मेरे सपने में क्यों आई होगी? इसे तो उनके सपने में आना चाहिए था जो हर मतदान के बाद अपनी हार का ठीकरा उसके सिर फोड़ते रहे हैं। मैं तो हजार पांच सौ का माल लेकर मतदान महादान वाला दानी हूं। मुझ जैसों को क्या ईवीएम सौ काम?

अब जब कोई आपके सपने और घर में आ ही जाए तो आप क्या कर सकते हैं? उसे धक्के मारकर अपने सपने, घर से निकाल तो नहीं सकते न! अतिथि चाहे घर में आया हो चाहे सपने में, वह देवोभव: ही होता है।

सो मैंने उसे चारपाई पर बैठा दिया, सादर। फिर उसे नार्मल करने की कोशिश करते पूछा, 'कुछ लोगी क्या! ठंडा याज्?'

'नहीं! इस वक्त मैं ठंडे से बहुत ऊपर उठी हूं। अभी किसी भी कंपनी का ठंडा मेरा दिमाग ठंडा नहीं कर सकता। देख नहीं रहे, इस वक्त मैं परेशान नहीं, कितनी अधिक परेशान हूं', कह उसने अपनी परेशानी मेरे सामने सजानी शुरू की। आह! क्या दिन आ गए! समाज की संवेदनाएं अर्जित करने के लिए अब अपनी परेशानियां दूसरों के सामने सजा कर रखनी पड़ रही हैं।

'अब परेशानी वाली बात क्या है? सब खुश तो हैं। ऐसे में बेकार में परेशान होना हो तो होती रहो। जाओ, अब तुम भी जीते हारे नेताओं की तरह चैन से सो जाओ और मुझे भी चैन से सोने दो।'

'पर कैसे? जीत वाले तो अपनी जीत में मस्त होने ही थे, पर हारने वाले जीतने वालों से अधिक मस्त हैं। ये आखिर अबके हो क्या रहा है? हारने वाले मुझे कोस क्यों नहीं रहे? अपनी हार का ठीकरा मेरे सिर फोड़ क्यों नहीं रहे? वे मेरे सिर अपनी हार का ठीकरा फोड़ शांत हो जाएं तो मैं भी अपने सिर उनकी हार का ठीकरा फुड़वा उनकी हार के मिथ्या दोष से फ्री हो जाऊं', जिसे एक बार किसी की भी हार का ठीकरा अपने सिर फुड़वाने की लत पड़ जाए उसके हाल ऐसे ही होते हैं। मित्रो!

'डियर! मुझे तो अब हर चुनाव के बाद हारने वालों की हार का ठीकरा अपने सिर फुड़वाने की आदत-सी हो गई है। इसलिए अबके भी हारने वालों का मेरे सिर अपनी हार का ठीकरा फोड़ने की ओर ध्यान क्यों नहीं जा रहा? मैं उनकी हार का ठीकरा अपने सिर फुड़वाने को बेकरार हूं बंधु! मेरा मन अशांत हो रहा है। मेरे दिमाग की नसें फटने को हो रही हैं। ऐसे में तुम ही अपनी किसी विजित हार का ठीकरा मेरे सिर फोड़ दो न प्लीज! ताकि मेरी आत्मा को शांति मिल सके।'

मोदी परिघटना पर विराम लगा

सत्येन्द्र रंजन

चुनावी राजनीति का एक हद तक सामान्य रूप रूप में लौटने का संकेत ही इस आम चुनाव की विशेषता है। इसका अर्थ यह है कि नरेंद्र मोदी परिघटना पर विराम लग गया है। यह धारणा टूट गई है कि नरेंद्र मोदी का करिश्मा चुनावों में उसकी सफलता की गारंटी बना रहेगा। इस आम चुनाव में वास्तव में यही कथित करिश्मा जख्मी हुआ है।

साल 2024 में आकर राष्ट्रीय जनादेश एक बार फिर खंडित रूप में सामने आया है। वैसे 2014 और 2019 में भी जनादेश इलाकाई आधार पर खंडित रहा था। तब उत्तर और पश्चिमी भारत में भाजपा का सिक्का चला था। दक्षिण में कर्नाटक तक उसके पांव जरूर पसरे थे, लेकिन बाकी दक्षिणी राज्यों में उसकी पहुंच नहीं बन सकी थी। पूर्वी भारत और उत्तर-पूर्व की तस्वीर मिली-जुली रही थी। 2024 में उत्तर और पश्चिम भी बंट गए। यह जरूर है कि वोट प्रतिशत के लिहाज से भाजपा के पांव दक्षिणी राज्यों में अधिक पसरे हैं, भले ही उसे सीटों के अर्थ में वहां उस हद तक फायदा ना हुआ हो।

इस सूरत को देखते ताजा जनादेश के बारे में कोई समग्र निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है। भाजपा को उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में तगड़ी चोट लगी है। इसके अलावा कई राज्यों में उसे सीटों का नुकसान हुआ है। मगर ये वो राज्य हैं, जहां वह दो बार से चरम सफलता हासिल कर रही थी। वैसे में उसे नुकसान होना राजनीति का सामान्य स्तर पर लौटना माना जाएगा।

बहरहाल, चुनावी राजनीति का एक हद तक सामान्य रूप रूप में लौटने का संकेत ही इस आम चुनाव की विशेषता है। इसका अर्थ यह है कि नरेंद्र मोदी परिघटना पर विराम लग गया है। यह धारणा टूट गई है कि आम जन की जिंदगी से जुड़े विभिन्न मोर्चों पर भाजपा सरकार का प्रदर्शन चाहे जैसा रहे, नरेंद्र मोदी का करिश्मा चुनावों में उसकी सफलता की गारंटी बना रहेगा। इस आम चुनाव में वास्तव में यही कथित करिश्मा जख्मी हुआ है।

ऐसा होने के परिणाम दूरगामी हो सकते हैं। आखिर इसी करिश्मा में यकीन के कारण देश के कॉरपोरेट सेक्टर और अन्य शासक वर्गों ने पिछले एक दशक से अपना पूरा दांव मोदी पर लगा रखा है। यह दांव लगाने की शुरुआत तब से हुई थी, जब मोदी

गुजरात के मुख्यमंत्री थे। असल में गुजरात मॉडल यही था कि कॉरपोरेट मोदी के पीछे अपनी पूरी ताकत लगाएं और उस बदौलत सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार उनके माफिक नीतियों पर अमल करे।

इस मॉडल का एक बड़ा आयोजन वाइब्रेंट गुजरात होता था, जहां पहुंच कर 2007-08 से ही देश के बड़े पूंजीपतियों ने मोदी को भारत का भावी प्रधानमंत्री घोषित करना शुरू किया था। मोदी का वह फॉर्मूला राष्ट्रीय स्तर पर भी कारगर रहा। उसी के परिणामस्वरूप पिछले दस साल आम जन की दुर्दशा बढ़ी है। मगर इस चुनाव में वह फॉर्मूला अगर पूरी तरह से पिटा नहीं है, तो कम-से-कम यह तो कहा ही जाएगा कि उसमें बड़े छेद हो गए हैं।

तो यह लाजिमी है कि मोदी पर अब तक दांव लगाने वाले धनी-मानी तबके अब इस सवाल पर सोचने पर मजबूर होंगे कि क्या एकमात्र उसी चेहरे पर दांव लगाए रखना बुद्धिमानी होगी, जिसके चुनावी मुकाबले में पिटने की शुरुआत हो गई है?

हिंदुत्व, उग्र राष्ट्रवाद, और उन्माद की हद तक भावनात्मक माहौल बना कर चुनावी सफलता हासिल करते रहने का खुद नरेंद्र मोदी में आत्म-विश्वास इतना गहरा था कि 2024 आते-आते उन्होंने विकास या जन-कल्याण की बात करनी ही छोड़ दी। या इसे ऐसे भी कहा जा सकता है कि ऐसा करने की उनकी क्षमता चूक गई। क्षमता संभवत: इसलिए चूक गई, क्योंकि उनके शासनकाल का जो रिकॉर्ड है, उसे देखते हुए लोगों के लिए उनके ऐसे उनके वायदों पर भरोसा करना संभव नहीं रह गया।

2024 के चुनाव के लिए प्रधानमंत्री मोदी और उनके रणनीतिकारों ने 'विकसित भारत' की कहानी तैयार की थी। लेकिन मतदान का पहला चरण आते-आते यह साफ हो गया कि वैसे ऊंचे सपनों में अब आम जन की रुचि नहीं है। जब उनकी अपनी जिंदगी अवनति की तरफ हो, तब यह लाजिमी है कि उन्नत या विकसित भारत के कथानक में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। तो मोदी और उनकी पार्टी ने पहले चरण के मतदान के बाद इस कहानी चर्चा ही छोड़ दी। उसके बाद वे हिंदू-मुस्लिम के अपने आजमाए फॉर्मूले पर लौट गए। मगर चुनाव नतीजों से जाहिर है कि यह फॉर्मूला भी अब पहले जैसा कारगर नहीं रह गया है।

2024 का चुनाव नरेंद्र मोदी ने जन-कल्याण की सोच के खिलाफ जंग छेड़ते हुए लड़ा। इसे उनका दुस्साहस ही कहा जाएगा कि 2023-24 के बजट में (जो आम चुनाव के पहले का आखिरी पूर्ण बजट था) उनकी सरकार ने जन-कल्याण के तमाम कार्यक्रमों के लिए आवंटन में कटौती कर दी। यह सिलसिला 2024-25 के अंतरिम बजट में भी जारी रहा। इस बीच मोदी फ्ररेवड़ी संस्कृतिफ्र के खिलाफ जुबानी मुहिम भी छेड़ चुके थे। 2024 के चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने बढ़ती गैर-बराबरी को सही ठहराने की कोशिश की, कुछ हाथों में धन संग्रहण की चिंताजनक परिघटना को उन्होंने वेल्थ क्रियेटर्स की कामयाबी के रूप में पेश किया, और गरीब आवाम को दी जाने वाली राहत को देश के विकास में बाधक बताया। इस तरह उन्होंने ऐसी समझ लोगों के सामने रखी, मानों देश और आम जन कोई अलग-अलग चीज हो!

आज अगर पिछले दो आम चुनावों की तुलना में और भी ज्यादा खंडित जनादेश हमारे सामने आया है, तो यह बेशक कहा जा सकता है कि जिन आम जन के प्रति प्रधानमंत्री ने अपमान का ऐसा भाव दिखाया, उसके एक बड़े हिस्से ने फिलहाल उनकी पार्टी से बदला लिया है। यही वो तबके हैं, जिनके मन में 'अच्छे दिन' के वादे ने ऊंची उम्मीदें जगाई थीं। मोदी ने बतौर प्रधानमंत्री के अपने पहले कार्यकाल में 'लाभार्थी' संस्कृति का हौव्वा खड़ा कर उन उम्मीदों को जिंदा रखा। लेकिन 2024 आते-आते उन्होंने आम जन को लाभ पहुंचाने की सोच पर ही हमला बोल दिया।

उसका नतीजा सामने है। हिंदुत्व के अंडरकरंट से हुए ध्रुवीकरण के साथ 'अच्छे दिन' के वादे ने भाजपा के लिए जो प्लस वोट जोड़े थे, वे अगर पूरे देश में नहीं, तो कम-से-कम कुछ राज्यों में जरूर ही, उससे अलग हो गए हैं। नतीजतन, भाजपा ने लोकसभा में बहुमत गंवा दिया है।

1989 में भारतीय राजनीति पर कांग्रेस का वर्चस्व खत्म होने के बाद से और 2014 में मोदी के उदय के पहले तक- एक समझ यह थी कि भारत में अब कोई राष्ट्रीय जनादेश नहीं होता। बल्कि प्रांतीय स्तर पर उभरने वाले जनादेश के कुल योग से राष्ट्रीय राजनीतिक सूरत उभरती है। 2024 में फिर से बात वहीं पहुंचती दिखी है। और इसके साथ ही भारतीय राजनीति में नरेंद्र मोदी युग के अंत की शुरुआत हो गई है।

मुकम्मल जीत की संज्ञा नहीं दी जा सकती

नवल किशोर कुमार

आखिरकार, मतगणना पूर्व सारी कयासबाजियों को खारिज कर कांग्रेस ने एक तरह से भाजपा के मुकाबले जीत हासिल कर ली है। हालांकि और बेशक, इसे मुकम्मल जीत की संज्ञा नहीं दी जा सकती है।

भाजपा के करीब 232-236 सीटों के मुकाबले उसे 105 सीटें मिलने के आसार हैं। यदि हम इंडिया गठबंधन के लिहाज से देखें तो पूरे गठबंधन को देश भर में बहुमत के जादुई आंकड़े से कम या फिर इसके बिल्कुल करीब 260-65 सीटें मिल सकती हैं, और अब यह तय हो गया है कि देश में मोदी राज का एक तरह से अंत हो सकता है। लेकिन यह तभी मुमकिन होगा यदि कांग्रेस अपने साथ जदयू जैसे राजनीतिक दलों को साथ मिलाए, जिसने बिहार में 12 सीटें जीत कर अपना महत्त्व एनडीए और इंडिया गठबंधन, दोनों के लिए एक समान रखा है। अब सरकार किसकी बनेगी, इसका दरोमदार बहुत हद तक नीतीश कुमार के रुख पर निर्भर करता है।

यदि हम अभी सरकार के गठन पर विचार न करें और केवल इस बात पर फोकस करें कि कांग्रेस को मिली यह जीत उसके लिए कितना मायने रखती है तो हम मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य को सहज तरीके से समझ सकते हैं। इसके साथ ही हमें कांग्रेस की जीत पर नये सिरे से विचार करना होगा कि आखिर, उसे यह जीत मिली है, कैसे मिली है, और अब उसके सामने किस तरह की चुनौतियां आने वाली हैं। सबसे पहले तो यह कि कांग्रेस को मिली यह जीत केवल उसकी जीत नहीं है, बल्कि इसमें उसके सहयोगी दलों की भी अहम भूमिका रही है। खासकर उत्तर भारत में उसकी जीत मुमकिन नहीं होती यदि उसे सहयोगी दलों का सहयोग प्राप्त नहीं होता।

मसलन, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को 7 सीटें मिलने के आसार हैं, और उसके मुख्य सहयोगी दल समाजवादी पार्टी को अप्रत्याशित तरीके से 36 सीटों

पर जीत मिल सकती है। हालांकि बिहार में कांग्रेस और उसके सहयोगी घटक दल वह प्रदर्शन नहीं पाए हैं, जो उत्तर प्रदेश में उन्होंने कर दिखाया।

उसकी मुख्य सहयोगी राजद स्वयं 5 सीटों के अंदर सिमट गई है तो कांग्रेस को भी वहां राजद जैसे सहयोगियों के साथ होने से 2 सीटें मिलने के आसार हैं। लेकिन झारखंड में भी कांग्रेस को यदि 2 सीटें मिलने के आसार हैं, तो इसकी मुख्य वजह झारखंड मुक्ति मोर्चा है, जिसे 3 सीटें मिल सकती हैं। ऐसे ही मध्य भारत विशेषकर महाराष्ट्र में कांग्रेस को मिली जीत के पीछे एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) गुट की भूमिका है।

अलबत्ता, हम यह कह सकते हैं कि राजस्थान छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को मिली जीत उसकी अपनी जीत है। ऐसे ही दक्षिण भारत में उसे मिली कामयाबी का श्रेय कांग्रेस को अकेले नहीं दिया जा सकता है। यह साफ है कि कांग्रेस को मिली यह ऐतिहासिक कामयाबी के पीछे इंडिया गठबंधन का होना है, जिसने दस साल से चली आ रही नरेन्द्र मोदी हुकूमत को लगभग उखाड़ फेंका है। ऐसे में अब यह कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वह इस इंडिया गठबंधन की एकता को बनाए रखे और अब जो सरकार बनेगी, उसमें वह अपने घटक दलों को समुचित सम्मान दे। इसके अलावा, उसे यह सनद रहना चाहिए कि इंडिया गठबंधन ऐसे राजनीतिक दलों का समूह है जो विचारधारा के स्तर पर मौलिक रूप से एक नहीं हैं। इस कारण भी कांग्रेस की चुनौतियां निश्चित रूप से बढ़ने वाली हैं। हालांकि वर्ष 2004 में यूपीए-1 के दौरान भी इस तरह का माहौल था, तब कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाकर अपने सहयोगियों की एकता को मजबूत किया था। जाहिर तौर पर प्रधानमंत्री कौन बनेगा, बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करेगा।

नई सरकार का नेतृत्व के अलावा कांग्रेस के सामने अब जो सबसे बड़ी चुनौती है, वह अपने वायदों को पूरा करने की है। इन वायदों में सामाजिक न्याय को लेकर किए गए वायदे हैं, जिसे उसने अपने घोषणापत्र में प्रथम स्थान दिया था। इसके मुताबिक उसे देश में जातिगत जनगणना करवाने की घोषणा अति शीघ्र करनी होगी, क्योंकि मोदी सरकार ने 2021 में होने वाली सामान्य जनगणना पर भी रोक लगा रखी थी।

इसके अलावा, कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण पर 50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा को समाप्त करने की बात कही थी, तो इसके लिए भी उसे पहलकदमी करनी होगी। और ये दोनों काम इतने आसान नहीं हैं क्योंकि जातिगत जनगणना को लेकर कांग्रेस के अंदरखाने में ही विषम आवाजें तब भी सुनाई दे रही थीं, जब वह जीत के लिए संघषर्रत थी। ऐसे में उसे अपने अंदर उठने वाली आवाजों से भी टकराना होगा। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने चुनावी सभाओं में जनसंख्या के अनुपात में समानुपातिक हिस्सेदारी का सवाल बार-बार उठाया था। अब जब कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनना तय हो गया है तो उसे अब यह सत्य करके दिखाना होगा। लेकिन वह सरकारी तंत्र, जिस पर अब भी सामान्य वर्ग के लोगों का कब्जा अधिक है, क्या इसके लिए तैयार होगा? इसके लिए उसे नीतियां बनाने से लेकर न्यायालयों तक का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा, उसे यह नहीं भूलना होगा कि अगर भाजपा विपक्ष में बैठी तो वह कमजोर नहीं होगी।

निस्संदेह यदि कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार का गठन होता है तो उसके समक्ष अब पूर्ववर्ती सरकार के द्वारा उठाए गए हिन्दुत्ववादी कदमों को वापस लेने की जिम्मेदारी होगी। मसलन, यदि हम अकादमिक जगत का ही उदाहरण लें तो उसे पूर्ववर्ती मोदी सरकार द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए बदलावों को खारिज करना होगा।

केंद्र में गठबंधन सरकार

चूंकि लोकसभा चुनाव परिणाम में कोई भी पार्टी बहुमत का जादुई आंकड़ा नहीं छू सकी है, इसलिए इतना तय है कि केंद्र में गठबंधन सरकार होगी।

बेशक, भाजपा 240 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, लेकिन बहुमत के आंकड़े 272 से यह संख्या काफी कम है। हालांकि भाजपा नीत गठबंधन की सीटों की संख्या 292 है, जबकि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के पास 233 सीटें हैं। इसलिए गठबंधन सरकार बनाने की कवायद दोनों तरफ से तेज हो गई है। साफ है कि सरकार बनाने में जदयू और तेलुगू देशम की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। ये दोनों अभी भाजपा के सहयोगी दल हैं।

जदयू भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के महत्त्वपूर्ण घटक है, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन के नेता दोनों दलों से संपर्क साधने में जुट गए हैं। इसलिए कि उन्हें लगता है कि इन दलों और भाजपा का सहयोग-साथ स्वाभाविक नहीं है, और भाजपा के साथ इन दलों के नेता सहज महसूस नहीं करते। जदयू के नेता नीतीश कुमार और तेलुगू देशम के नेता चंद्रबाबू नायडू के साथ ही रालोद मुखिया जयंत चौधरी, लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान समेत छोटे दलों पर भी 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की नजर है।

नीतीश कुमार से मल्लिकार्जुन खरगे, शरद पवार जैसे 'इंडिया' गठबंधन के बड़े नेताओं को खास उम्मीद है क्योंकि इस गठबंधन के शिल्पकार नीतीश ही थे। बाद में घटनाक्रम ऐसा रहा कि वे स्वयं को 'इंडिया' गठबंधन में 'उपेक्षित' महसूस करने लगे और अपने समर्थकों के साथ भाजपा नीत एनडीए का हिस्सा बन गए। लेकिन राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। तेलुगू देशम के चंद्रबाबू नायडू से भी 'इंडिया' गठबंधन को खासी उम्मीद है।

दोनों नेता, हालांकि बाकायदा भाजपा के साथ हैं, लेकिन जिसके भी साथ होंगे सत्ता का पलड़ा उसके पक्ष में झुकाने में कारगर भूमिका निभा सकते हैं। वैसे अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि किसी तरफ के घटक दल को अपने साथ ले आना इतना आसान नहीं होता।

चूंकि किसी एक दल को बहुमत नहीं मिला है, इसलिए तोड़-जोड़ का खेल तेज होगा। आने वाले दिनों में एनडीए और 'इंडिया' के घटक दलों की यहां-वहां आवाजाही देखने को मिलेगी। बेशक, बदले हालात में राजनीतिक दलों की परिपक्वता कसौटी पर होगी। अलबत्ता, इतना साफ है कि मतदाता ने परिपक्वता दिखला दी है। सभी विशेषज्ञों के अनुमान से परे जाकर न तो किसी एक दल या गठबंधन को बहुमत दिया है, और न ही विभिन्न राज्यों में मतदान की दृष्टि से एक समान रुख दिखाया है।

रेड्डी अन्ना ऑनलाइन सट्टा पर बिलासपुर पुलिस का प्रहार

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह (भा.पु.से) के निर्देश पर अवैध गतिविधियों में शामिल लोगो के विरूद्ध बिलासपुर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान ''प्रहार'' में लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी कडी में ऑनलाइन बैटिंग प्लेटफॉर्म ''रेड्डी अन्ना'' के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई।

बिलासपुर एवं आस-पास ऑनलाइन गेम के ब्रांच खोलकर रूपये पैसे का हार जीत का दाव लगाकर सट्टा खिलाने की सूचना मुखबीर से प्राप्त होने पर सायबर सेल बिलासपुर व थाना सरकण्डा की संयुक्त टीम द्वारा रेड कार्यवाही कर आरोपी दीपक यादव व संजय जायसवाल को हिरासत में लेकर पुछताछ किया गया। आरोपीयो द्वारा बताया गया कि बिलासपुर ब्रांच का मुख्य संचालक विकास अग्रवाल है हम दोनो उसके लिये काम करते है विकास अग्रवाल ने ही दुबई हेड ऑफिस से संचालित बैटिंग एप ''रेड्डी अन्ना'' का पैनल प्राप्त करने वॉट्सअप के माध्यम से संपर्क कर स्वयं का ब्रांच लेकर श्रीलंका (कोलंबो), मनाली में संचालित कर रहा था। कुछ दिन से बिलासपुर में आकर काम कर रहे थे आरोपीयो के बताये अनुसार उनके कब्जे से ऑनलाइन सट्टा खिलाने में उपयोग आने वाले सामग्री पासपोर्ट 01 नग जिसमें श्रीलंका का इमीग्रेशन लगा है, 04 नग लैपटॉप, 27 नग मोबाइल, 170 नग से अधिक फर्जी सिम, 07 नग बैंक पासबुक, 02 नग चेक बुक, 19 नग ATM कार्ड, 20 से अधिक बैंक Account में 5 लाख रु से अधिक की राशि जिसे होल्ड कराया गया है, 02 नग रजिस्टर जिसमें करोड़ो रूपये का सट्टा का हिसाब किताब दर्ज है जप्त किया गया। आरोपीयो के विरूद्ध थाना सरकण्डा में अपराध क्र- 621/24 धारा 6, 7 छत्तीसगढ जुआ प्रतिशेध अधि. 2022 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड हेतु भेजा गया है।

उक्त कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश कश्यप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण/ए.सी.सी.यू.) अनुज कुमार, प्रभारी ए.सी.सी.यू. निरी. राजेश मिश्रा, थाना प्रभारी सरकण्डा निरी. तोप सिंह नवरंग, उप निरी. अजहररूद्दीन (ए.सी.सी.यू.), उप निरी. अजय वारे (रेंज थाना बिलासपुर), उप निरी. व्यास नरायण बनाफर थाना सरकण्डा प्र.आर. देवमुन पुहुप आर. मुकेश वर्मा, विकास राम, विरेन्दं गंधर्व, सत्या पाटले, प्रशांत व ए.सी.सी.यू. (सायबर सेल) एवं थाना सरकण्डा स्टॉफ की *पुलिस अधीक्षक बिलासपुर द्वारा सराहना* की गई और बेस्ट पुलिस ऑफिसर के पुरस्कार हेतु नामित किया गया।

मोटर सायकल से भारी मात्रा में गांजा की तस्करी कर रहा अंतरराज्यीय तस्कर किशोर साहू फरसाबहार पुलिस के हत्थे चढ़ा

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा गांजा तस्कर, नशीली दवाओं के तस्कर एवं पशु तस्करों की पतासाजी हेतु सायबर सेल को सम्मिलित कर विशेष अभियान चलाया गया है। जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को मुखबीर लगाकर एवं तस्करी की सूचना मिलने पर तत्काल कार्यवाही करने एवं तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया हैविगत दिनांक 06.06.2024 के शाम को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ओड़िसा की ओर से एक व्यक्ति मोटर सायकल क्र. ह्ष्ठ 16 ष्ठ 9077 में सीट के पीछे भारी मात्रा में गांजा की तस्करी करते हुये फरसाबहार की ओर आ रहा है, इस सूचना को थाना प्रभारी फरसाबहार द्वारा पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह को अवगत कराया गया एवं उनके निर्देशन में तत्काल उप निरीक्षक विवेक भगत के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर मुखबीर की सूचना अनुसार मुण्डाडीह चौक में नाकाबंदी कर आने-जाने वाले वाहनों की बारीकी से चेकिंग की जा रही थी, इसी दौरान रास्तें में मोटर सायकल क्र. ह्ष्ठ 16 ष्ठ 9077 में सवार एक व्यक्ति तेज गति से आया, जिसे पुलिस टीम द्वारा रोककर उसका नाम पूछने पर अपना नाम किशोर साहू बताया, उस व्यक्ति से गांजा रखने के संबंध में पूछताछ कर गवाहों के समक्ष उसके बाईक में पीछे तरफ सफेद प्लास्टिक बोरी की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 15 पैकेट भूरे रंग सेलोटेप में चिपका हुआ मादक पदार्थ गांजा 15.442 किलोग्राम कीमती 1,54,000 /- (एक लाख चौवन हजार रू.) का मिलने पर उसे मोटर सायकल सहित जप्त कर अभियुक्त को अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में किशोर साहू ने उक्त गांजा को ओड़िसा से तस्करी करते हुये छत्तीसगढ़ में खपाने के लिये ला रहा था। अभियुक्त *किशोर साहू उम्र 37 साल निवासी ग्राम रस्टी थाना किंजिरकेला जिला सुंदरगढ़ (ओड़िसा)* का कृत्य धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने पर उसे दिनांक 06.06.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

अवैध शराब के साथ आरोपी आशीष कुमार गिरफ्तार, थाना मौदहापारा की कार्यवाही

श्रमबिन्दु / रायपुर

बीते दिनों में किराएदारों की चेकिंग के दौरान आशीष कुमार मिला था, संदिग्ध लगने पर थाना मौदहापारा तलब कर समझाइस दिया गया था और उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई थी

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देश पर रायपुर पुलिस द्वारा *निजात* अभियान के तहत नशे के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें समस्त थाना एवं एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रहीं है। नारकोटिक्स एक्ट एवं अवैध रूप शराब पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु विशेष टीम का गठन करने के साथ ही समस्त थाना प्रभारियों को नशे की सामाग्री बिक्री करने वालों एवं सप्लाई करने वालों पर कठोर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायपुर शहर लखन पटले के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली रायपुर श्री योगेश साहू के पर्यवेक्षण में दिनांक 06.06.2024 को थाना मौदहापारा पुलिस की टीम द्वारा मौदहापारा क्षेत्रांतर्गत स्वीपर मोहल्ला में *आरोपी आशीष कुमार पिता अशोक सारथी उम्र 26 साल निवासी कांकेर श्रीराम नगर थाना जिला कांकेर हॉल पता मीरा रात्रे का मकान स्वीपर मोहल्ला थाना मौदहापारा जिला रायपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध रूप से रखें 40 पौवा देशी शराब कीमती लगभग 7200/- रूपये* जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना मौदहापारा में अपराध क्रमांक 175/2024 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

एसईसीएल एवं एनटीपीसी के बीच एनटीपीसी खरगौन टीपीएस को कोयला आपूर्ति के लिए हुआ समझौता

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

दिनांक 06 जून 2024 को कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनियों एवं एनटीपीसी के बीच कोयले की आपूर्ति के लिए समझौते किए गए। इसी समझौते के तहत एसईसीएल एवं एनटीपीसी के बीच एनटीपीसी खरगौन को कोयला आपूर्ति के लिए एक फ्यूल सप्लाई एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत एसईसीएल एनटीपीसी खरगौन टीपीएस को सालाना 28.24 लाख टन कोयले की आपूर्ति करेगा।

एनटीपीसी खरगौन देश का पहला अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट है और एसईसीएल के साथ हुए समझौते से प्लांट से सुचारु रूप से बिजली उत्पादन करने की क्षमता को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर एनटीपीसी कार्यकारी निदेशक (फ्यूल मैनेजमेंट) श्री प्रदीप्त कुमार मिश्रा की उपस्थिति में किए गए समझौते के दौरान एसईसीएल की ओर से महाप्रबंधक सीबी सिंह एवं एनटीपीसी से श्री चिलकापाटी शिवकुमार, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खास खबर

तेंदूपत्ता और मनरेगा श्रमिकों का भी श्रम विभाग में होगा पंजीयन

बिलासपुर। श्रमायुक्त, छत्तीसगढ़ के आदेशानुसार एवं कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन में श्रम विभाग में तेंदूपत्ता संग्राहकों का पंजीयन छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मण्डल एवं मनरेगा श्रमिकों का पंजीयन छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में पंजीयन करने हेतु कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, जिला बिलासपुर द्वारा मेगा शिविर का आयोजन 8 जून से 6 जुलाई तक लगभग 96 दिनों के विशेष शिविर का आयोजन किया जाना है। जिसमें प्रथम शिविर दिनांक 8 जून को कोटा विकासखण्ड के धनरास, मोहतरा, शिवतराई, बैगापारा, रिगवार, पिपरपारा, खरसिया, सेमरिया, मझगांव, झिंगटपुर, पुडू-अ, पुडू-ब, लमनाझार, बंगलाभाठा, मझगवां, बरगवा, लुसदा, केदाडांड के लगभग 2000 तेंदूपत्ता श्रमिकों के पंजीयन हेतु विभागीय कर्मचारियों द्वारा शिविर का आयोजन प्रात 8 बजे बजे से किया जा रहा है। उक्त जानकारी सहायक श्रमायुक्त श्री आर. के. प्रधान द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि वन विभाग के सहयोग से ये शिविर आयोजित किए जाएंगे। पंजीयन कराने श्रमिकों को आधार कार्ड, बैंक पास बुक, तेंदूपत्ता कार्ड और मोबाइल नंबर दर्ज कराना होगा। पंजीयन हो जाने पर उन्हें श्रम विभाग की तमाम कल्याणकारी योजनाओं का फायदा मिलेगा।

एन एच के किनारे नाली निर्माण नहीं होने के कारण कदम घाट से बीटीआई चौक तक हो रहा कीचड़

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

एन एच के किनारे नाली निर्माण नहीं होने के कारण कदम घाट से बीटीआई चौक तक हो रहा कीचड़ पत्थलगांव में रोडनिर्माण की गति बहुत ही ज्यादा धीमी आने वाले बरसात में आम जनता होगी परेशान पुरन तालाब के पास भी रोड का निर्माण पूरा नहीं हो पाया है इसी तरह अंबिकापुर रोड कदम घाट से बिटीआई चौक तक रोड के किनारे ठेकेदार द्वारा नाली निर्माण नहीं होने के कारण कीचड़ का साम्राज्य बना रहताहै जिसके कारण रोड के किनारे दुकानदारी करने वाले एवं आम जनता हो रहे परेशान है कई बार आने जाने वाले वाहन भी कीचड़ में फंस जाती है यहां की जनता द्वारा कई बार ठेकेदार को जल्दनिर्माण करने के लिए कहा जाता है लेकिन ठेकेदार द्वारा उल्टा जवाब दिया जाता है की बार-बार काम के लिए फोन लगाकर तंग ना करें अब यहां की जनता को स्थानीय। विधायक गोमती साय से उम्मीद है उनकी समस्या को जल्द ठीक किया जाए।

महतारी वंदन योजना से मिली उम्मीद की नई किरण

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

बिलासपुर मुख्यालय से लगभग 25 किमी दूर मस्तूरी ब्लॉक का गांव वेद परसदा, जहां श्रीमती साहिन बाई साहू अपने पति और दिव्यांग बच्चे के साथ बमुश्किल गुजर-बसर कर रही थीं। उनके पति श्री अर्जुन साहू विगत 15 सालों से चल-फिर पाने में असमर्थ हैं। पैरालिसिस के चलते वे काम नहीं कर पाते हैं। उनका 24 वर्षीय पुत्र पैदायशी बोल पाने में असमर्थ हैं। श्रीमती साहिन पर मानों मुसीबतों का पहाड़ ही टूट पड़ा। मुफलिसी के इस दौर में महतारी वंदन योजना ने उम्मीद की एक किरण दी ।

रूंधे गले से श्रीमती साहिन बाई साहू ने बताया कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से पति का हर माह इलाज करवाती हैं। घर के राशन में भी मदद मिल जाती है। श्रीमती साहिन ने बताया कि उनके पास आधा एकड़ खेत है। पहले उसी से गुजारा चलता था लेकिन इलाज के लिए पैसों की किल्लत हो जाती थी और राशन का सामान लेना भी मुश्किल हो जाता था। उनके पति ने बताया कि उन्हें सरकार द्वारा खाद्यान्न सहायता के तहत 35 किलो चावल हर माह मिलता है। महतारी वंदन योजना से हर माह मिलने वाली राशि उनके लिए बहुत बड़ा सहारा है। छत्तीसगढ़ की परंपरा रही है कि यहां बेटियों को अगाध स्नेह और सम्मान दिया जाता है। बेटियों का हर घर में विशेष स्थान होता है। तीज-त्यौहारों में बेटियों और बहनों को स्नेह से भेंट और राशि दी जाती है। महतारी वंदन योजना लागू होने से महिलाओं के विश्वास की जीत हुई है।

सिर पर चढ़ा सफलता का नशा, आचार्य इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने यातायात नियमों की उड़ाई धज्जियां

कार की खिड़कियों पर लटककर निकाली रैली.. कैमरे से देखकर चालान घर भेजने वाला यातायात करेगा कार्रवाई

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

सफलता मिलना अच्छी बात है लेकिन सफलता के नशे से दूर रहना उतना ही कठिन, और बात जब शिक्षा की आती हो तो शिक्षकों की जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ जाती है लेकिन बिलासपुर में ठीक इसका उलट देखने को मिला जहां सफलता का नशा प्राइवेट इंस्टिट्यूट के सर चढ़कर बोलने लगा.. इसी नशे में चूर होकर शिक्षकों ने छात्रों को नियम सीखने के बजाय उन्हें नियम की धज्जी उड़ाने के लिए छोड़ दिया.. दरअसल, बिलासपुर के आचार्य इंस्टीट्यूट द्वारा बच्चों के सफल होने के बाद रैली का आयोजन किया गया था लेकिन इस दौरान जमकर लापरवाही प्रबंधन द्वारा देखने को मिली.. रैली के दौरान कर के दरवाजे से छात्र लटकते नजर आए.. वहीं इस रैली में भी इंस्टीट्यूट द्वारा जमकर यातायात के नियमों की धज्जियां उड़ाई गई..

एक ओर बिलासपुर पुलिस द्वारा सामाजिक संगठनों आम जनमानस को लेकर चेतना के तहत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर इस तरह की लापरवाही कहीं ना कहीं बिलासपुर पुलिस की जन जागरूकता अभियान में पानी फेरने का काम कर रही है यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करने और उसका पालन करने के लिए पुलिस और प्रशासन द्वारा चौक चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं जिसमें नियमों की अवहेलना करने वाले लोगों के खिलाफ ऑनलाइन चालानी कार्रवाई भी की जा रही है.. अब देखना होगा कि नियम तोड़ने वालों को कैमरे से देखकर ऑनलाइन चालान भेजने वाली बिलासपुर पुलिस आचार्य इंस्टिट्यूट के खिलाफ क्या कार्रवाई करती है..

मां-बाप अपने बच्चों को सफल होने शिक्षा और संस्कार सीखने के लिए शिक्षण संस्थानों में भेजते हैं जो उन्हें अच्छी शिक्षा प्राप्त होती है लेकिन वहीं से उन्हें नियमों का पालन करना भी सिखया जाता है, जब ऐसे संस्थान बच्चों को खुद नियम तोड़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, तो फिर आगे जीवन में नियम का पालन करने की सीख उन्हें कौन देगा.. एक बड़ा सवाल यह भी है कि सफलता को दर्शाने के लिए निकल गई रैली और इंस्टिट्यूटो के बीच सफलता का श्रेय लेने की होड़ में अगर कोई दुर्घटना घट जाती तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता..

शिवसेना उद्धव वाला साहब ठाकरे बलौदाबाजार जिला इकाई ने सौपा कलेक्टर को ज्ञापन

श्रमबिन्दु / बलौदाबाजार

आज शिवसेना उद्धव वाला साहब ठाकरे के बलौदाबाजार जिला अध्यक्ष मनहरण साहू के नेतृत्व में बढ़े बिजली बिल मूल्य के विरोध करते हुए जिला कलेक्टर कुमार लाल चौहान को बलौदाबाजार जिला इकाई के शिव सैनिकों के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया जिला अध्यक्ष मनहरण साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ सर्व सुविधा युक्त राज्य है जहां हीरा मोती सोना चांदी लोहा पत्थर स्टील तांबा स्पंज जैसे खनिज उद्योग बिजली उद्योग से लेकर कई कीमती आवक है जिसका सरकार के द्वारा आम जनता को अंधेरे में रख रईस पूंजीपति उद्योगपतियों को फायदा दिया जा रहा है और आम जनता को महंगाई की मार झेलना पड़ रहा है दाल चावल सब्जी राशन सामग्री सभी के कीमतों में बढ़ोतरी होने के कारण एवं बेरोजगार युवाओं को रोजगार नहीं मिलने के कारण आम लोगों को जीवन यापन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है सभी विभागों की व्यवस्था बिगड़ी पड़ी है जिस कारण आम जनता को सही समय में इसका लाभ नहीं मिल पाता इस बीच उपस्थित महिला सेना जिला अध्यक्ष गंगोत्री साहू ने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई की मार की वजह से कई नवयुवक गलत रास्ते अपना रहे हैं और सरकार महिलाओं के लिए रसोई गैस, महिला वंदन योजना, लालच देकर कुर्सी में बैठ रहे हैं और कुर्सी में बैठने के बाद सभी अपनी जवाबदारी भूल जाते हैं जिस कारण आज भी सिलेंडर गैस का कीमत आसमान छू रहा है और महिला वंदन योजना का लाभ सभी महिलाओं को नहीं मिल रहा।जिस आम जनता की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नाम बलौदाबाजार जिला कलेक्टर कुमार लाल चौहान को ज्ञापन सौंपा गया और मांग किया गया कि विद्युत वृद्धि दर को 15 दिनों के भीतर वापस नहीं लिए जाने पर शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के द्वारा उपर आंदोलन प्रदर्शन किया जाएगा ज्ञापन सौपने में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष मनहरण साहू, महिला सेना जिला अध्यक्ष गंगोत्री साहू, द्रौपदी मानिकपुरी, राजेश्वरी ध्रुव, सुशीला ध्रुव,जिला कार्यकारिणी सदस्य कोमल साहू, सिमगा ब्लॉक उपाध्यक्ष गब्बर सांवरा,लोकेश साहू, शंकर नेताम , पंकज सेन, किशन सावरा, ओमकार साहू,गांधी सावरा, दशरथ ठाकुर, राहुल सिसोदिया, आदि लोग उपस्थित रहे।

जोक्स

लैंप

मांः पप्पू जा, लैंप जला दे।
कुछ देर के बाद भी जब पप्पू ने लैंप नहीं जलाया तो
उसकी मां ने पूछाः लैंप कहां है?
पप्पूः मां आपने कहा था लैंप जला दे,
तो मैंने लैंप को चूल्हे पर जला दिया।

मर क्यू री है

टीचरः सूर्य के पास कौन सा ग्रह है?
हरियाणवी छात्रः एक मिनिट बता रिया हूं।
टीचरः जल्दी बताओ।
हरियाणवी छात्रः बता रिया हूं मर क्यू री है?
टीचरः शाबाश बैठ जाओ।

मुफ्त में मिलो

लड़की ने घर छोड़ा, ससुराल मिला
भाई छोड़ा, छोटा देवर मिला
बहन छोड़ी, छोटी ननद मिली
मां-बाप छोड़े, सास ससुर मिले
पर ऐसा क्या छोड़ा जो पति मिला?
कुछ भी नहीं। मुफ्त में मिला है तो कदर कहां से होगी।

तू ही पनोती है

गर्लफ्रेंड अपने बॉयफ्रेंड को फोन कर बोली
गर्लफ्रेंडः बाबू।
बॉयफ्रेंडः या डियर।
गर्लफ्रेंडः तुम हमेशा से मेरे साथ थे, जब मेरा वो भयानक एक्सीडेंट हुआ तब भी,जब मेरे पांचवें सेमेस्टर में 3 सब्जेक्ट में जीरो आए थे तब भी,जब मुझे किडनी में पथरी हुई थी तब भी और जब मुझे पापा ने गुस्से में घर से निकाल दिया था तब भी।
बॉयफ्रेंडः हां बेबी और मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगा।
गर्लफ्रेंडः अरे नई रे मेरे को लग रहा है की शायद तू ही पनोती है।

कम प्रोडक्ट्स से बनाएं चेहरे को आकर्षक

खूबसूरत और अलग लुक के लिए जरूरी नहीं कि आपके पास मेकअप प्रोडक्ट्स की भरमार हो। सीमित प्रोडक्ट्स से भी कई जरूरतें पूरी की जा सकती हैं। कम प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से भी चेहरे को आकर्षक बनाया जा सकता है।

- **बीबी-सीसी क्रीम :** फ्लॉलेस लुक के लिए जरूरी नहीं कि आपकी मेकअप किट में फाउंडेशन और कंसीलर हो। इसकी जगह ब्लेमिश क्रीम यानि बीबी या सीसी क्रीम यानि कंसीलर कंट्रोल का इस्तेमाल करें। ये क्रीम्स त्वचा की नमी को बनाए रखती हैं, साथ ही हानिकारक यूवी किरणों से भी बचाने का काम करती हैं।
- **आईलाइनर/काजल पेंसिल :** कलर्ड आईलाइनर या नॉर्मल आईलाइनर पर ज्यादा खर्च करने के बजाय कलर्ड या सामान्य आई पेंसिल को किट में जगह दें। काजल पेंसिल से भी स्मोकी लुक मिल सकता है। सबसे पहले लैशलाइन पर काजल से एक मोटी लाइन बनाएं। अब ब्रश की मदद से धीरे-धीरे इसे आईलिड्स पर फैलाएं।लैशलाइन को काजल की मदद से भरें। नीचे की लैशलाइन पर भी काजल लगाकर इसे स्मज करें। स्मोकी इफेक्ट के लिए मस्कारा से टच देना न भूलें।
- **लिप ग्लॉसः** शाइनी चीकबोन्स के लिए हाइलाइटर खरीदरने से अच्छा है कि लिप गलॉस लें। इसे उंगलियों की मदद से चीक्स पर लगाकर ब्रश से ब्लेंड करें। पिंक या पीच जैसे लाइट कलर्स वाले ही लिप ग्लॉस चुनें। इसे आप ब्लश की तरह भी इस्तेमाल कर सकती हैं।
- **लिपस्टिकः** होठों को खूबसूरत दिखाने के लिए ब्लश की जगह लिपस्टिक का इस्तेमाल करें। इसे चीकबोन्स, आईशैडो और होंठ तीनों पर इस्तेमाल किया जा सकता है। मेकअप किट में पिंक और पीच शेड की लिपस्टिक जरूर रखें जिससे जरूरत पड़ने पर इससे पूरा मेकअप किया जा सके।
- **मॉश्चराइजरः** मॉश्चराइजर को मेकअप प्रोडक्ट की तरह यूज करें। इसे मेकअप रिमूवर की जगह यूज करें। मेकअप रिमूवर से अक्सर त्वचा सूख जाती है। लेकिन मॉयस्चराइजर से त्वचा को हाइड्रेट रखा जा सकता है।

बढ़े हुए वजन को प्लानिंग से घटाएं

आजकल 10 साल के बच्चे से लेकर 70 साल की महिला अपने शरीर की अतिरिक्त वसा को लेकर सजग रहते हैं। अलग-अलग आयुवर्ग के लोगों में वजन घटाने को लेकर अलग-अलग कारण हो सकते हैं।

मोटे बच्चे दूसरे बच्चों के चिढ़ाने के कारण पतले होना चाहते हैं। अधिक उम्र के स्त्री-पुरूष आने वाले दिनों में बुढ़ापे की समस्याओं के चलते वजन कम करना चाहते हैं। कुछ लोग वजन इसलिए घटाना चाहते हैं कि बढ़े वजन के कारण उन्हें अपने कपड़े फिट नहीं आते। अपनी पूरी वार्डरोब को बदलने की बजाय वो अपने वजन को ही कम करना चाहते हैं। जिन महिलाओं का वजन ज्यादा है उन्हें अपना फिगर आकर्षक नहीं लगता। वह इस बात से परेशान रहती हैं कि कोई उनकी तरफ देखता नहीं। कुछ लोगों को वजन इसलिए भी घटाने की जरूरत होती है क्योंकि उन्हें डॉक्टर वजन घटाने की चेतावनी देते हैं ताकि उन्हें बीमारियां न हों। आजकल वजन घटाने के लिए कई गैजेटस, गिजमोज और प्रोडक्ट्स बाजार में उपलब्ध हैं। इन्हें बनाने वाली कंपनियां इस बात का दावा करती हैं कि इनसे वजन कम होता है।

महिलाओं का बढ़ा हुआ वजन उनके लिए तनाव का विषय होता है,क्योंकि उन्हें कर्व बॉडी की दरकार होती है। मोटी महिलाएं हमेशा एथलेटिक लुक से बाहर आने के लिए परेशान रहती हैं। पतला और छरहरा बदन उनकी ऐसी ख्वाहिश बनकर रह जाता है, जो अब उन्हें पूरी होती नहीं दिखती। अगर वह वजन घटाने में प्रयासरत रहती हैं तो थोड़ा सा भी कम हुआ वजन उन्हें खुशी देता है।

कैसे घटाएं वजन : वजन घटाने के दो तरीके हैं और दोनो के अपने-अपने फायदे हैं। यह आपके व्यक्तित्व पर निर्भर करता है कि आप वजन कैसे घटाती हैं? वजन अगर बढ़ जाए तो उसे घटाने के लिए नियमित धीरे-धीरे कम करने का प्रयास करें, इससे प्रतिदिन अपने वजन को मॉनिटर करने की जरूरत नहीं होती। इस प्लान को अधिकतर डॉक्टर अपनाने की सलाह देते हैं। यह लचीला है और सही आदतों के जरिये इसमें सफल हो सकते हैं। इसमें अपने डाइट में ज्यादा बदलाव की जरूरत नहीं होती। यह प्लान उन महिलाओं के लिए ज्यादा उपयोगी साबित हो सकता है, जो व्यवहारिक और समझदार हैं। वह जो खा रही होती हैं, उन्हें वही खाना चाहिए और पार्टियों में उन्हें हैवी डाइट नहीं लेनी चाहिए।

प्लान के लिए व्यायामः इस प्लान में सप्ताह में तीन दिन एक घंटे की ब्रिस वॉक के साथ सप्ताह के तीन दिन में एक दिन छोड़कर योगासन किया जा सकता है। फ्राइड, जंक फूड, मीठे से वजन बढ़ता है इन्हें खायें, लेकिन बहुत कम। भूख से कम खाएं। दिन में चार बार, थोड़ा-थोड़ा खाएं।

रात का भोजन जल्दी और हल्का लें: 8 से 10 गिलास पानी रोज पिएं और खाने को हेल्दी और स्वादिष्ट बनाएं। सब्जियों को हल्का फ्राई या स्टीम करके खाएं और सलाद ज्यादा खाएं। जो खाएं उसकी मात्रा पर भी ध्यान दें। सब्जियों में विविधता लाएं। पास्ता, इडली कभी-कभी खाएं और सलाद को अलग-अलग प्रकार से खाएं।

दिल के दुश्मनों से बनाएं दूरी

दिल शरीर का अति आवश्यक अंग है। जब तक यह धड़कता है तो हम जीवित हैं। जब यह बंद हो जाता है तो हमारा शरीर मिट्टी समान हो जाता है। अगर आप अपने दिल को सही स्थिति में रखना चाहते हैं तो उसके दुश्मनों से करें तौबा। आइए जानिए स्वस्थ दिल के दुश्मन कौन कौन हैं-

- **नाश्ता छोड़ना :** लोगों को लगता है कि नाश्ता छोड़ने से हम पतले रहेंगे लेकिन जो लोग नाश्ता नियमित खाते हैं, वे पतले रहते हैं। न नाश्ता करने वाले ज्यादा मोटे होते हैं।
- **टीवी देखते हुए खाना :** अधिकतर लोग टीवी के सामने बैठकर अपना खाना खाते हैं। नतीजतन उनका ध्यान टीवी पर रहता है और उन्हें पता ही नहीं चलता कि उन्होंने कितना खाना खा लिया है। इस चक्कर में वे अधिक खा जाते हैं।
- **टेबल नमक का प्रयोग करना :** अधिकतर लोग डाइनिंग टेबल पर नमक रखते हैं। सलाद और दही में उसका प्रयोग करते हैं जिससे उनके अंदर नमक की मात्र अधिक चली जाती है जो ब्लडप्रेशर को प्रभावित करती है। इसी प्रकार टेबल पर अचार,पापड़ का प्रयोग भी आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है।
- **डिनर विशेष लेना :** अधिकतर पुरूष दिन में तो बाहर होते हैं। लंच अपने कार्यस्थल पर करते हैं तो सीमित ही होता है उनका लंच। रात्रि में घर पर रिलेक्स मूड में परिवार के साथ रिच फूड लेते हैं जो दिल और सेहत दोनों को नुकसान पहुंचाता है। रात्रि में खाना सोने से दो से तीन घंटे पूर्व सुपाच्य और हल्का लें। अगर अधिक भूख नहीं है तो दूध और फल लें जो आपके हृदय के मित्र बनेंगे।
- **डिनर के बाद जल्दी सोना :** दिल का बहुत बड़ा दुश्मन है रात्रि भोजन के तुरंत बाद सोना। कारण, जो हम खाते हैं उससे बनी ऊर्जा का प्रयोग तो कर ही नहीं पाते। इसे बॉडी क्लॉक कहते हैं। इससे मोटापा तेजी से बढ़ता है और शरीर आराम अवस्था में होने के कारण इसकी कैलोरी बर्न की गति भी धीमी पड़ जाती है।
- **तलने के बाद दोबारा तेल का इस्तेमाल :** कुछ भी तलने के बाद बचे हुए तेल का पुनः प्रयोग दिल और शरीर के लिए नुकसानदेह है। कोई भी तेल तलने के बाद पुनः प्रयोग करने लायक नहीं रहता। हां, उसी समय आप उसका प्रयोग सब्जी बनाने हेतु कर सकते हैं।

हर साल 7 जून को ही क्यों मनाया जाता है विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस

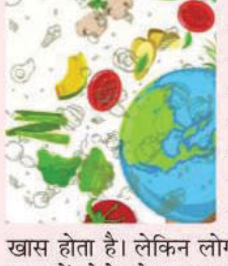

हर साल जून माह की 7 तारीख का दिन वर्ल्ड फूड सेफ्टी डे के तौर पर मनाया जाता है। जिसका मकसद लोगों को फूड सेफ्टी के महत्व को समझाना है। शरीर के सेहतमंद बनाए रखने में खानपान का रोल सबसे खास होता है। लेकिन लोगों की फूड हैबिट्स और जरूरतों को देखते हुए अब कई सारी चीजों को बनाने और उगाने का तरीका बदल चुका है। उनमें तरह-तरह के केमिकल्स मिलाए जा रहे हैं। तो लोगों को दूषित भोजन और पानी के नुकसान के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 7 जून को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है।

इतिहास : जुलाई 2017 में खाद्य एवं कृषि संगठन सम्मेलन के 40वें सत्र में आपनाएं गए विश्व खाद सुरक्षा दिवस के प्रस्ताव पर दिसंबर 2017 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपना समर्थन व्यक्त किया। इसके बाद इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 73वें सत्र की दूसरी समिति के समक्ष रखा गया, जिसे महासभा ने अपना लिया और 20 दिसंबर 2018 को हर साल 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाने की घोषणा की गई।

उद्देश्यः असुरक्षित खानपान से सेहत संबंधी कई सारी बीमारियां के होने का खतरा होता है। ऐसे में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाने का मकसद हर एक व्यक्ति को पौष्टिक और संतुलित भोजन प्रदान करना है। इसके साथ ही खानपान से होने वाले खतरों को रोकना, मिलावटी चीजों का पता लगाना और इनके बारे में लोगों को बताकर उन्हें सेहत के प्रति जागरूक बनाना है।

केरल की खूबसूरती है देखने लायक

केरल भारत का बेहद ही सुंदर राज्य है। यह राज्य अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। यहां की राजधानी तिरुवनंतपुरम है और मलायलम मुख्य बोली जाने वाली भाषा। केरल भारत के दक्षिण-पश्चिमी सीमा पर अरब सागर और सह्याद्रि पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य में स्थित है। कर्नाटक और तमिलनाडु केरल के पड़ोसी राज्य हैं। ये राज्य अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर है। आज हम आपको केरल की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां जन्नत का एहसास होता है

- **चेंबरा पीक :** चेंबरा पार्क केरल की सबसे ऊंची चोटी है जो दक्षिण के कल्पेट्टा शहर से महज 8 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां एक हर्ट-शेप झील भी है जो इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाती है। पीक को जाने वाला रास्ता झरने और घनी हरियाली से घिरा हुआ है। यह ट्रेकिंग का प्रमुख स्थल है, लेकिन इन ट्रेक पर जाने से पहले अनुमति लेना जरूरी होता है। इसके अलावा यहां रात में ट्रैकिंग करना मना है, इसलिए समय पर सुबह ट्रैकिंग शुरू करना समझदारी है।
- **नेल्लीयमपथीः** नेल्लीयमपथी केरल का एक हिल स्टेशन है, जिसकी गिनती दक्षिण भारत के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में होती है।

इस जगह को गरीबों का ऊंटी भी कहा जाता है। इस खूबसूरत हिल स्टेशन की सुंदरता देखते ही बनती है। यहां का हरियाली से भरा माहौल, चाय के बागान और ऊंचे पहाड़ इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

- **मुजहेप्पिलानगढ़ ड्राइव बीचः** केरल के कन्नूर शहर से कुछ दूरी पर स्तिथ मुजहेप्पिलानगढ़ केरल का एकमात्र ड्राइव बीच है जो एशिया में सबसे बड़ा है। इस बीच के साउथ में एक मशहूर प्राइवेट आइलैंड भी है, जिसे धर्मादम नाम से जाना जाता है। यह केरल के कन्नूर शहर से मजह 15 किलोमीटर की दूरी पर स्तिथ है। युवाओं को यह जगह बहुत ही पसंद आती है क्योंकि यहां बहुत सारे लोग कार और बाइक से स्टंट करते नजर आते हैं।
- **श्री पद्मनाभास्वामी मंदिर :** केरल के धार्मिक स्थल में यह मंदिर अपनी अलग पकड़ बनाए बैठा है। भगवान विष्णु के इस मंदिर को बड़ी ही कलाकारी से बनाया गया है। जीवंत हो उठने वाली मूर्तियां व उत्तम श्रेणी की वास्तुकला मंदिर के हर एक कोने को जागृत कर देती है। यह देश का सबसे प्राचीन विष्णु मंदिर है। यहां सबसे ज्यादा भक्त नवंबर, दिसंबर, मार्च से जून के अंतर्गत कुछ विशेष त्योहारों पर आते हैं। धार्मिक होने के बहाने ही आप इस लुभा देने वाली जगह आ सकते हैं।
- **थेक्कड़ी :** केरल के दर्शनीय स्थल में से एक थेक्कड़ी में नदी के किनारे का दृश्य पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह पर्वतीय स्थल इडुक्की जिले में स्थित है। यह स्थान पेरियर वन्यजीव अभ्यारण के लिए लोगों के बीच ज्यादा लोकप्रिय है। यह बहुत-से विलुप्त जानवरों और 200 से भी अधिक पक्षियों का निवास स्थान है। मुख्यतः यह हाथियों का स्थल है पर अन्य जीव भी आपको यहां देखने मिलेंगे जैसे- बाघ, जंगली बिल्ली, सांभर, नीलगिरी लंगूर, गौर आदि। यह सबसे मशहूर केरल के दर्शनीय स्थल में से है।
- **वजहाचल-अथिराप्पिल्ली वाटरफॉलः** वजहाचल और अथिराप्पिल्ली वाटरफॉल केरल के सबसे प्रसिद्ध वाटरफॉल हैं। केरल के थ्रिसुर जिले में मौजूद चलक्कुडी नदी पर ये दोनों वाटरफॉल बने हुए हैं। ये दोनों वाटरफॉल शोलायर फॉरेस्ट के किनारे पर स्तिथ है।
- **वागामोन :** वागामोन की खूबसूरती ऐसी है, जिसे आप शब्दों में बिल्कुल भी बयान नहीं कर पाएंगे। घास के मैदानों, जंगलों और पहाड़ियों का एक अच्छा खासा मिश्रण, कपल्स को बेहद रोमांटिक बना देता है। थोड़ा और रोमांस चाहते हैं, तो अपने पार्टनर के साथ आप यहां जंगली भैंसों और हाथियों को छोटे जलाशयों में नहाते हुए देखने के लिए पहाड़ियों की ओर जा सकते हैं।

देर रात अगर भूख लगे तो क्या खाएं?

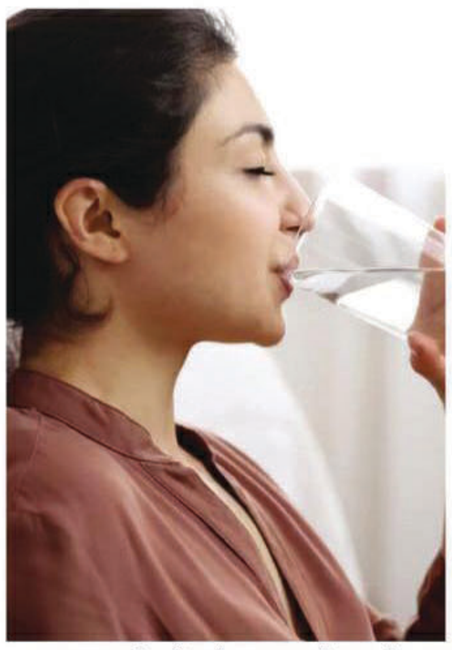

अगर आप दिन में पर्याप्त खाना नहीं खा रहीं, चाट पकौड़ी या अनहेल्दी खाना खाकर पेट भर रही हैं, नींद नहीं आ रही, तो रात में आपको भूख लग जायेगी। सवाल है रात में लगने वाली इस भूख को कंट्रोल में कैसे करें? सबसे पहले अगर आपको देर रात में भूख लगने की आदत है तो अपनी इस आदत को बदलें, क्योंकि यह आदत आपको असमय मोटी कर देगी। देर रात लगने वाली भूख को बहुत आसानी से काबू में किया जा सकता है।

ऐसे करें कंट्रोल

एक गिलास सादा पानी पी लें। पानी पीने से भूख काफी कम हो जाती है। अगर सादा पानी पीने से भूख कम होती न लग रही हो, तो पानी गुनगुना करें उसमें आधा चम्मच शहद डाल दें। यह हल्का मीठा गुनगुना पानी पीने से शरीर को संतुष्टि भी मिलेगी। अच्छे से नींद भी आ जायेगी और भूख भी खत्म हो जायेगी। पानी पीने से भूख इसलिए भी खत्म हो जाती है, क्योंकि इससे शरीर हाईड्रेट हो जाता है और संतुष्ट महसूस करता है।

समय पर खाना खाएं

अपने खाने का एक समय फिक्स करें। एक निश्चित समय पर खाना खाने से भूख भी समय पर लगती है, तब यह अभ्यास हो जाता है कि कब अगली बार कुछ खाएं। इसलिए रोज रोज खाने का समय न बदलें, खासकर रात के खाने का। अगर किसी दिन रात में 8 बजे खाती हैं और किसी दिन 11 बजे तो शरीर की घड़ी यह समझने में असमर्थ हो जाती है कि शरीर के लिए खाने का वास्तविक समय क्या है।

डिनर को प्रोटीन रिच बनाएं

अगर रात का खाना प्रोटीन रिच रहेगा यानी उसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन होगी तो आपको रात में भूख नहीं लगेगी। इसकी वजह यह है कि प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों को पचाने में शरीर को समय लगता है। प्रोटीन से संबंधित बहुत सारी चीजें हैं, उन्हें आप अपनी रात के भोजन का हिस्सा बना सकते हैं।

लघुकथा

बकरी की सीख

बकरी और उसका मेमना दोनों जंगल में चर रहे थे। चरते-चरते बकरी बोली- चलो,पानी पी आएं। मेमने ने भी बोला- हां मां। चलो पानी पी आएं। पानी पीने के लिए बकरी और मेमना नदी की ओर चल पड़ा।

दोनों हंसते-गाते चलने लगे। बातों-बातों में बकरी ने मेमने को बताया- साहस से काम लो तो संकट टल जाता है। धैर्य यदि बना रहे तो विपत्ति से बचाव का रास्ता निकल ही आता है।

मां की सीख मेमने ने गांठ बांध ली। दोनों नदी तट पर पहुंचे। वहां पहुंचकर बकरी ने नदी को प्रणाम किया। मेमने ने भी नदी को प्रणाम किया। नदी ने दोनों का स्वागत कर उन्हें सूचना दी- भेड़िया आने ही वाला है। पानी पीकर फौरन घर की राह लो। भेड़िया गंदा है। वह मुझ जैसे छोटे जीवों पर रौब झाड़ता है। उन्हें मारकर खा जाता है। वह घमंडी भी है। तुम उसे अपने पास क्यों आने देती हो। पानी पीने से मना क्यों नही कर देती। मेमने ने नदी से कहा। नदी मुस्कुराई। बोली- मैं जानती हूं कि भेड़िया गंदा है। अपने से छोटे जीवों को सताने की उसकी आदत मुझे जरा भी पसंद नहीं है। पर क्या करूं। वह जब भी मेरे पास आता है, प्यासा होता है। प्यास बुझाना मेरा धर्म हैं।

दोनों नदी पर झुके। पानी पीकर बकरी ने डकार ली। पानी पीकर मेमने को भी डकार आई।

डकार से पेट हल्का हुआ तो दोनों फिर नदी पर झुक गए। नदी उनसे कुछ कहना चाहती थी। मगर दोनों को पानी पीते देख चुप रही। पानी पीकर बकरी मुड़ी तो उसे जोर का झटका लगा। लाल आंखों,राक्षसी डील-डौल वाला भेड़िया सामने खड़ा था। उसके शरीर का रक्त जम-सा गया। मेमना भी भेड़िये को देख घबराया। थोड़ी देर तक दोनों को कुछ न सूझा। अरे वाह। आज तो ठंडे जल के साथ गरमागरम भोजन भी है। अच्छा हुआ जो तुम दोनों यहां मिल गए। बड़ी जोर की भूख लगी है। अब मैं तुम्हें खाकर पहले अपनी भूख मिटाऊंगा। तब तक बकरी संभल चुकी थी। मेमना भी संभल चुका था। कितने गंदे हो तुम। मुंह पर मक्खियां भिनभिना रही हैं। लगता है महीनों से मुंह नहीं धोया। मेमना बोला। भेड़िया सकपकाया। क्या बकती है, थोड़ी देर पहले ही तो रेत में रगड़कर मुंह साफ किया है। भेड़िया गुर्राया।

झूठे कहीं के। मुंह धोया होता तो क्या ऐसे ही दिखते। तनिक नदी में झांक कर देखो। असलियत मालूम पड़ जाएगी। हिम्मत बटोरकर मेमने ने कहा। भेड़िया सोचने लगा। बकरी बड़ी है। उसका भरोसा नहीं। यह नन्हां मेमना भला क्या झूठ बोलेगा। रेत से रगड़ा था, हो भी सकता है वहीं पर गंदी मिट्टी से मुंह सन गया हो। ऐसे में इन्हें खाऊंगा तो नाहक गंदगी पेट में जाएगी। फिर नदी तक जाकर उसमें झांककर देखने में भी कोई हर्जा नहीं है।

देखो,मैं मुंह धोने जा रहा हूं। भागने की कोशिश मत करना। भेड़िया ने धमकी दी। बकरी हाथ जोड़कर कहने लगी- हमारा तो जन्म ही आप जैसों की भूख मिटाने के लिए हुआ है। आप तसल्ली से मुंह धो लें। यहां से बीस कदम आगे नदी का पानी बिल्कुल साफ है। वहां जाकर मुंह धोएं। विश्वास न हो तो मैं भी साथ में चलती हूं।

भेड़िये को बात भा गई। वह उस ओर बढ़ा जिधर बकरी ने इशारा किया था। वहां पर पानी काफी गहरा था। किनारे चिकने। जैसे ही भेड़िये ने अपना चेहरा देखने के लिए नदी में झांका, पीछे से बकरी ने अपनी पूरी ताकत समेटकर जोर का धक्का दिया। भेड़िया अपने भारी भरकम शरीर को संभाल न पाया और धप से नदी में जा गिरा। उसके गिरते ही बकरी ने वापस जंगल की दिशा में दौड़ना शुरू कर दिया। उसके पीछे मेमना भी था।

दोनों नदी से काफी दूर निकल आए। सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर बकरी रुकी। मेमना भी रुका। बकरी ने लाड़ से मेमने को देखा। मेमने ने विजेता के से दर्प साथ अपनी मां की आंखों में झांका। दोनों के चेहरों से आत्मविश्वास झलक रहा था।

मां की सीख मेमने ने गांठ बांध ली। दोनों नदी तट पर पहुंचे। वहां पहुंचकर बकरी ने नदी को प्रणाम किया। मेमने ने भी नदी को प्रणाम किया। नदी ने दोनों का स्वागत कर उन्हें सूचना दी- भेड़िया आने ही वाला है।

खास खबर...

शहर के रामदरबार चौक में ट्रैफिक सिग्नल चालू

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

आज दिनांक 07.06.2024 को पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक श्री अजय खेस, नवरतन कश्यप एवं राघव एडवरटाईजमेंट रायपुर के सहयोग से शहर के रामदरबार चौक में सुगम यातायात संचालन, आम जनता के सुविधा एवं सुरक्षा हेतु नया ट्रैफिक सिग्नल लगाया गया है, यातायात संचालन हेतु सिग्नल पाईंटों में प्रातः 09.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक यातायात बल ड्यूटी में तैनात रहेगे। शहर में अब नो पार्किंग, तीन सवारी के साथ-साथ रेड सिग्नल जंप पर भी लगातार कार्यवाही होगी। यातायात पुलिस राजनांदगांव की आम लोगो से अपील है कि ट्रैफिक सिग्नल का पालन करें, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग न करें, दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य लगाये, चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट लगाये, शराब सेवन कर वाहन न चलायें एवं माल वाहन में सवारी न बिठायें। यातायात नियमों का पालन करें एवं सुरक्षित यात्रा करें।

फ्लाई ओव्हर के नीचे महावीर चौक से गुरुद्वारा चौक तक सुचारू पार्किंग के लिये आयुक्त ने कर्मचारियों को सौपा दायित्व

राजनांदगांव। जी.ई.रोड फ्लाई ओव्हर के नीचे साफसुथरा कर व्यवस्थित रखने एवं सु-व्यवस्थित पार्किंग के लिये नगर निगम तथा यातायात की टीम सुनियोजित अभियान चलाकर बेतरतीब खडे वाहनो तथा अव्यवस्थित रखे ठेला खोमचा को हटाया गया तथा महावीर चौक से गुरूद्वारा चौक तक सुचारू पार्किंग के लिये आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता ने कर्मचारियों को दो पालियों में दायित्व सौपा है। उक्त कर्मचारी प्रातः 8:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक दोपहर 3:30 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक दो पालियो में दो पहिया, चार पहिया वाहन तथा माल वाहक की नियमानुसार पार्किंग करेगे।

उल्लेखनीय है कि जी.ई.रोड फ्लाई ओव्हर के नीचे पूर्व वर्षो में नगर निगम द्वारा साफसुथरा कर सौदर्यीकरण किया गया था तथा शहर आने वाले लोगों व शहर के अंदर मार्केटिंग हेतु आने जाने वाले लोगों के लिये सुगम पार्किंग करने प्रक्रिया की गयी थी, किन्तु बेतरतीब खडे वाहनो तथा अव्यवस्थित रखे ठेला खोमचा के कारण फ्लाई ओव्हर के नीचे साफसफाई नहीं हो पाई और वहा गंदगी व्याप्त हो गयी। जिसे ध्यान में रखकर फ्लाई ओव्हर के नीचे के गाडी एवं ठेला खोमचा हटाये गये और आज से आयुक्त श्री गुप्ता के निर्देश पर राजस्व अधिकारी श्री दीपक अग्रवाल के नेतृत्व में राजस्व विभाग के कर्मचारी निगम द्वारा निर्धारित दर पर दो पालियों में महावीर चौक से गुरूद्वारा चौक तक सुचारू पार्किंग व्यवस्था का संपादन करेंगे।

राजस्व अधिकारी श्री अग्रवाल ने बताया कि 6 घण्टे की दर से दो पहिया वाहन 10 रूपये, 6 घण्टे से अधिक होने पर 20 रूपये पार्किंग शुल्क लिया जावेगा। इसी प्रकार चार पहिया वाहन सवारी 20 रूपये, 6 घण्टे से अधिक होने पर 50 रूपये तथा चार पहिया वाहन माल वाहक 50 रूपये एवं 6 घण्टे से अधिक होने पर 100 रूपये पार्किंग दर निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि पार्किंग शुल्क प्रातः 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक प्रभावशिल रहेगा, रात्रि 9 बजे के पूर्व वाहन ले जाना अनिवार्य होगा। उन्होंने सुगम यातायात एवं अपने वाहनों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर फ्लाई ओव्हर के नीचे वाहन पार्क कर सहयोग करने की अपील की है।

नकली सोना को असली बता कर 6.50 लाख की ठगी

कोरबा। नकली सोना को असली बता कर 6.50 लाख रूपये, चांदी के बर्तन व सोने की अंगूठी की ठगी कर ली गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज विवेचना में लिया है। घटना दर्री थाना अंतर्गत पीपी कांपलेक्स जमनीपाली की है।

यहां सुनील कुमार सोनी निवासी गांधी चैक जायसवाल गली कोरबा, बाबा श्याम ज्वेलर्स के नाम से स्वर्ण ज्वेलर्स बनाने और विक्रय करने का काम करता है। सुनील ने पुलिस को बताया कि उसके दुकान में माह नवंबर 2023 में पहली बार गिर्राज नामक व्यक्ति उसके पास आया और छोटे कम कीमत के स्वर्ण आभूषण बना कर चला गया, उसके बाद लगातार मेरी दुकान में आता था और पुराने जेवर तोड़ाकर नए डिजाइन के ज्वेलर्स बनाकर ले जाता था। उसके साथ एक महिला जिसका नाम गायत्री एवं दो लडका रामेश्वर,विक्रम आते थे, जिसे वह अपनी बहु, पुत्र एवं भतीजा बताता था। सोनी ने कहा कि इस प्रकार नियमित रूप से आने में और बात करने में उसने अपने विश्वास में ले लिया। पांच जनवरी 2024 को गिर्राज पुनः दुकान आया और 10-10 ग्राम के 15 पीस लाकेट कुल वजन 150.800 ग्राम को दिखाते हुए कहा कि इस जेवर को तोड़कर नए जेवर बनवाना है। उक्त लाकेट को पहले भी ला चुका था और उसकी जांच करने पर सही मिला था। परंतु उस वक्त गिर्राज ने सोने को वापस ले लिया था कि पांच जनवरी को पुनः वही सोना दिखाया, पर बातो में उलझा कर दोबारा जांच करने नहीं दिया। इसके बाद उसने 45 हजार रूपये का एक जेवर और 6.50 लाख नकद उसे प्रदान किया। सोनी ने कहा कि चार दिन बाद उक्त पुराने सोने को तोड़ कर नया जेवर बनाने की प्रक्रिया शुरू की तो वह सोना नकली निकला, तब छले जाने का अहसास हुआ। गिर्राज को ढुंढने का प्रयास किया, तो वह नहीं मिला। उसने स्वर्ण आभूषण देते हुए अपना आधार कार्ड भी दिया था। जिसमें उसका मूल पता वार्ड नंबर 13 नजदीक पोखर, नया कलोनी बैलारा ,नदबई भरतपुर राजस्थान का लेख है और स्वयं को गोपालपुर में रहकर कंबल आदि का व्यवसाय करना बताया था।

मुख्य न्यायाधीश द्वारा लंबित न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा

रायपुर। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा के निर्देशानुसार रिट, क्रिमिनल अपील, क्रिमिनल रिवीजन, अवमानना प्रकरणों एवं अन्य प्रकरणों में औचित्यहीन लंबित प्रकरणों का चिन्हांकन कर सूचीबद्ध करने का कार्य किया जा रहा है। प्रकरणों का भौतिक सत्यापन जिला न्यायालय बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग में, पदस्थ, 40 न्यायिक अधिकारियों एवं उच्च न्यायालय स्थापना में पदस्थ लगभग 36 अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। उक्त कार्य के 21 वें दिन आज गुरूवार को मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपरोक्त कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इसके दौरान मुख्य न्यायाधीश द्वारा उच्च न्यायालय में चल रहें उच्च न्यायालय के भवन के आधारभूत संरचना के नवीनीकरण के कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में 13 मई से 07 जून 2024 तक ग्रीष्मकालीन अवकाश है, इस दौरान मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा के निर्देशानुसार औचित्यहीन लंबित प्रकरणों का भौतिक सत्यापन,कार्यों को किया जा रहा है।

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड के प्रादेशिक निदेशक डॉ. नायक ने जिले के आर्टिफिशियल रिचार्ज स्ट्रक्चर का किया निरीक्षण

प्रादेशिक निदेशक ने जिले में मिशन जल रक्षा अंतर्गत किये जा रहे कार्यों की सराहना की, दिया तकनीकी मार्गदर्शन

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

जल की कमी और बढ़ती हुई मांग को देखते हुऐ जल रक्षा और प्रबंधन आज की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह और केंद्रीय भूमि जल बोर्ड के प्रादेशिक निदेशक रायपुर डॉ. प्रबीर कुमार नायक द्वारा जनपद पंचायत राजनांदगांव और खैरागढ़-छुईखड़ान-गंडई जिले के खैरागढ़ जनपद के पंचायतों का निरीक्षण किया गया।

जिले के जनपदों में घटते भू-जल स्तर के उपाय करने के लिए नवीन कृत्रिम वॉटर रिचार्ज स्ट्रक्चर का निर्माण कार्य किया गया है। वर्षा के जल को ग्राम पंचायतों के स्तर पर रोककर भू-जल में वृद्धि करने के उद्देश्य से मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, कृषि, वन और जल संसाधन विभाग द्वारा जीआईएस का उपयोग करके नए स्थल का चयन कर नवीन कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। नवीन चयनित स्थलों के निरीक्षण के लिए केंद्रीय भूमि जल बोर्ड रायपुर के टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। निदेशक केंद्रीय भूमि जल बोर्ड डॉ. नायक ने तकनीकी मार्गदर्शन दिया। जिले की नई पहल मिशन जल रक्षा के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की सराहना की। जिला पंचायत राजनांदगांव और केंद्रीय भूमि जल बोर्ड के संयुक्त तत्वाधान में जिला पंचायत के सभा कक्ष में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में बताया गया कि हमारे विशेषज्ञों की टीम ने आधुनिक और प्रभावी आर्टिफिशियल रिचार्ज स्ट्रक्चर डिजाइन किए हैं, जो विभिन्न भूगर्भीय परिस्थितियों के अनुकूल हैं। जल संरक्षण तकनीक की यह तकनीक परंपरागत और आधुनिक जल संरक्षण तकनीकों का मिश्रण है। जिसमें बारिश का पानी संचयन, मिनी पर्कोलेशन टैंक, स्ट्रैगर ट्रेंच, चेक डैम और नदियों के पुनर्जीवन के उपाय शामिल हैं। इसके अंतर्गत स्थानीय समुदायों और किसानों के साथ मिलकर कार्य करते हुए, उन्हें प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान करना। कार्यशाला में केंद्रीय भूमि जल बोर्ड के प्रादेशिक निदेशक रायपुर डॉ. प्रबीर नायक ने कहा कि जीआईएस के माध्यम से लिनियामेंट फैक्चर लाइन में नवीन स्थल चयन करके अधिक से अधिक भू-पुनर्भरण क्षेत्रों में सहायक सिद्ध होगा। स्थानीय समुदायों और सरकारी संस्थानों के साथ मिलकर इन स्ट्रक्चर्स का निर्माण और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी नागरिक, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों से अपील की है कि वे जल संरक्षण और आर्टिफिशियल रिचार्ज स्ट्रक्चर के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

जल हमारी अमूल्य संपत्ति है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है। आइए सभी मिलकर जल संरक्षण के इस महाअभियान को सफल बनाएं और भविष्य की पीढियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध जल संसाधन छोड़ें। इस महत्वपूर्ण पहल में अपना समर्थन दें और जल संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। इस कार्यशाला में डायरेक्टर व साइंटिस्ट और साइंटिस्ट श्री एन राव, केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, एपीओ मनरेगा, जनपद सीईओ व एपीओ खैरागढ़, एसडीओ खैरागढ़, सीएफ्मी टीम और तकनीकी सहायक उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों के लिए 19 जून से 31 जुलाई 2024 तक शिविर

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों का चिन्हांकन, मूल्यांकन, परीक्षण, प्रमाणीकरण एवं विशिष्ट पहचान पत्र बनाने एवं पेंशन हितग्राहियों का सत्यापन तथा विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए 19 जून से 31 जुलाई 2024 तक सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक जनपद पंचायतवार शिविर का आयोजन किया जाएगा। साथ ही दिव्यांगजनों की शारीरिक समस्याओं को कम करने एवं उनकी गतिशीलता में वृद्धि करने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों को कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण प्रदाय करने के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा। जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत 19 जून 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घुमका, जनपद पंचायत डोंगरगांव अंतर्गत 26 जून 2024 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमड़ीबोड़, जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत 29 जून 2024 तक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुरगी, जनपद पंचायत डोंगरगांव अंतर्गत 3 जुलाई 2024 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खुज्जी, जनपद पंचायत छुरिया अंतर्गत 10 जुलाई 2024 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बेलरगोंदी, जनपद पंचायत डोंगरगढ़ अंतर्गत 20 जुलाई 2024 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबहादुर नगर, जनपद पंचायत छुरिया अंतर्गत 24 जुलाई 2024 को 24 जुलाई 2024 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छुरिया, जनपद पंचायत डोंगरगढ़ अंतर्गत 31 जुलाई 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगढ़ में शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत सचिवों को शिविर का प्रचार-प्रसार करने तथा दिव्यांगजनों को निकट के शिविर स्थल पर लाने व ले जाने के निर्देश दिए हैं।

जय तुलसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के विरूद्ध की गई कार्रवाई

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

स्वास्थ्य सेवाएं सह मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य नोडल एजेंसी छत्तीसगढ़ द्वारा जय तुलसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल स्टेडियम रोड बसंतपुर राजनांदगांव का आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत पंजीयन तीन माह के लिए निलंबित कर दिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार जय तुलसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल स्टेडियम रोड बसंतपुर राजनांदगांव विरूद्ध कैलाश नगर निवासी श्री हिरालाल साहू द्वारा माताजी मरीज श्रीमती टोमन बाई साहू को अस्पताल के जनरल वार्ड में भर्ती कर आईसीयू वार्ड का पैसा आयुष्मान कार्ड से निकालने एवं मरीज का आयुष्मान कार्ड से ईलाज होने के बाद भी नगद राशि लिए जाने के संबंध में शिकायत की गई थी।

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने प्राप्त शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मामले की जांच करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने शिकायत की जांच के लिए जिला नोडल अधिकारी (आयुष्मान भारत) डॉ. बीएल तुलावी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय टीम द्वारा मामले की जांच की गई। टीम द्वारा शिकायतकर्ता श्री हिरालाल साहू एवं अस्पताल संचालक जय तुलसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल राजनांदगांव का बयान लिया गया। प्राप्त साक्ष्यों की जांच करने पर स्पष्ट हुआ कि अस्पताल संचालक जय तुलसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल राजनांदगांव द्वारा मरीज श्रीमती टोमन बाई साहू को अस्पताल के जनरल वार्ड में भर्ती कर आईसीयू वार्ड का पैसा मरीज के आयुष्मान कार्ड से ब्लॉकिंग किया गया हैं। साथ ही मरीज के परिजन द्वारा दो यूनिट ब्लड बिलासा ब्लड बैंक राजनांदगांव से स्वयं के व्यय पर लाया गया। इसके बाद भी अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीज के आयुष्मान कार्ड से दो यूनिट ब्लड ट्रांसफ्यूजन किये जाने हेतु योजनांतर्गत ब्लॉकिंग किया गया हैं। इसके साथ ही अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीज के परिजन से जांच हेतु नगद राशि भी लिया गया हैं, जो कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजनांतर्गत शासन द्वारा निर्धारित नियम के विरूद्ध हैं।

संचालक स्वास्थ्य सेवाएं सह मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य नोडल एजेंसी छत्तीसगढ़ रायपुर को जिला स्तरीय गठित टीम द्वारा जांच प्रतिवेदन तैयार कर जय तुलसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल राजनांदगांव का आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजनांतर्गत पंजीयन 3 माह हेतु निलंबित किये जाने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई हेतु अनुशंसा पत्र प्रेषित किया गया था। संचालक स्वास्थ्य सेवाएं सह मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य नोडल एजेंसी छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जिला स्तरीय गठित जांच समिति द्वारा प्रेषित जांच प्रतिवेदन के आधार पर अस्पताल संचालक जय तुलसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल स्टेडियम रोड बसंतपुर राजनांदगांव को पत्र जारी कर योजना के दिशा-निर्देशानुसार मरीज के परिजनों से ली गई अतिरिक्त नगद राशि वापस करने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही अस्पताल का योजनांतर्गत पंजीयन आगामी 3 माह के लिए निलंबित किया गया हैं। अस्पताल संचालक जय तुलसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल राजनांदगांव को निलंबन अवधि के दौरान अस्पताल में उपयोग की जाने वाली योजना संबंधी समस्त प्रचार-प्रसार सामग्री हटाने एवं योजनांतर्गत नये क्लेम प्रकरण पंजीकृत नहीं करने हेतु भी निर्देशित किया गया हैं।

संतोष पांडे की जीत में नांदगांव से लीड का रहा महत्वपूर्ण रोल- अग्रहरि

श्रमबिन्दु / डोंगरगढ़

जिला भाजपा सांस्कृतिक एवं शिक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी राजेश गुप्ता अग्रहरि ने राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र से पुनः निर्वाचित हुए सांसद संतोष पांडे जी की जीत में राजनांदगांव विधानसभा व संस्कार धानी नगरी से मिली लीड का महत्वपूर्ण योगदान बताते हुए यहां की देवतुल्य जनता व समस्त बडे- छोटे नेता व कार्यकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजनांदगांव के साथ जो भी अन्याय करेगा यहां की देवतुल्य जनता- जनार्दन ऐसे ही मज़ा चखाएगी।

श्री अग्रहरि ने राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र के इतिहास में दूसरी बार सांसद बनकर एक नया आयाम स्थापित करने वाले नव निर्वाचित सांसद संतोष पांडे जी को उनके ऐतिहासिक जीत के लिए कोटिशः बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस तरह अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र की सेवा की व विकास के मार्ग को प्रशस्त किया उसी के फलस्वरूप यहां की जनता ने उन्हें पुनः सांसद पद पर प्रतिष्ठित करने के लिए पूरा मन पहले ही बना लिया था। इसके साथ ही केंद्र में दबंग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का 10 वर्षों का गरीब किसान हितैषी विकास परक कार्य व राजनांदगांव के लोक प्रिय विधायक डॉ रमन सिंह जी के लोक हितकारी व विकास मूलक कार्य का श्री पांडे जी को काफी संबल मिला जिसके चलते उन्होंने पूर्व सीएम भूपेश बघेल से लड़कर इस हाई प्रोफाइल वाले सीट पर भाजपा का झंडा गाड़ कर कांग्रेस को चारों खाने चित कर दिया।श्री अग्रहरि ने आगे कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में पूरे देश में जन-जन के प्रिय ,विश्वास और संबल बन चुकी भाजपा छत्तीसगढ़ के दसों ससंदीय क्षेत्र में अपना परचम लहरा?कर बता दिया कि मोदी है तो सब मुमकिन है।

बालको ने विश्व पर्यावरण दिवस पर लिया हरित भविष्य का संकल्प

कोरबा-बालकोनगर। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने छत्तीसगढ़ वन विभाग के सहयोग से बालको टाउनशिप में 200 से अधिक पौधे लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। कंपनी द्वारा सस्टेनेबिलिटी एवं पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।कंपनी नेवन विभाग के सहयोग से वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की है जो हरित भविष्य को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। बालको के भूमि पुनरुद्धार में वृक्षारोपण की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्वपूर्ण कदम की सराहना करते हुएछत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड (सीईसीबी) के प्रतिनिधि विस्तारित वृक्षारोपण अभियान का हिस्सा बने।स्लोगन'हमारी भूमि हमारा भविष्य, हम पुर्नोद्धार की पीढी है' पर चलाए गए अभियान से कर्मचारी और समुदाय को हरित भविष्य के लिए एकजुट किया गया। युवा पीढ़ी को इस वैश्विक अभियान में शामिल करने के लिएकंपनी द्वारासीड्स बॉल (खुद से) बनाने के लिए कार्यशाला आयोजित की गईजिसके बाद नंद घर में पौधारोपण किया गया। नंद घर आंगनवाड़ी केंद्र हैंजो समुदायिक विकास के लिए वेदांता लिमिटेड द्वारा संचालित की जाती हैं। कार्यशाला का उद्देश्य लोगों को अधिक हरियाली वाले स्थानों के विकास के लिए वृक्षारोपण और बीजों के पुनरू उपयोग के बारे में शिक्षित करना है।

डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा 02 वर्ष पूर्व गुमशुदा युवती को खोज कर मिलाया गया परिजनों से

श्रमबिन्दु / डोंगरगढ़

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मोहित गर्ग, अति0पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल देव शुक्ला एवं एसडीआपी महोदय डोंगरगढ़ श्री आशिष कुंजाम के दिशा-निर्देश पर थाना डोंगरगढ़ में लंबित अपराध, मर्ग, गुम इंसान प्रकरण के निकाल हेतु थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक सी0आर0 चन्द्रा द्वारा अभियान चलाकर लगातार गुम इंसानों का पता तलाश कर दस्तयाब किया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत गुम इंसान क्रमांक 44/2022 के गुमशुदा उम्र- 20 वर्ष जो दिनांक 12.04.2022 को घर से बिना किसी को बताये कहीं चली गई थी जिसको आज दिनांक-07.06.2024 को सकुशल बरामद कर दस्तयाब किया गया है। पुछताछ करने पर गुमशुदा द्वारा अपने साथ किसी प्रकार का अपराध घटित होना नहीं बताने पर गुमशुदा को उनके परिजनों को सुपूर्दनामे में दिया गया। जिससे परिजन खुशी जाहिर करते हुये डोंगरगढ़ पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किये है।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग
मामला क्रमांक / अ-27/23-24
ईश्तहार
(धारा 178 प्रारूप ख)

क्योंकि मौजा डुन्डेरा तहसील व जिला दुर्ग के सहभूमिस्वामी जनक लाल साहू आ. जनक पाल साहू निवासी डुन्डेरा तहसील व जिला दुर्ग ने निम्नांकित अनुसूची में निदिष्ट खाते के अपने भाग के विभाजपा के लिए आवेदन किया है, एवं क्योंकि उक्त खाते का बंटवारा किया जाना प्रस्तावित हुआ है, एवं सुनवाई का दिनांक 12/06/24 स्थान तहसील दुर्ग पर दिन 11.00 बजे नियत किया गया है, उक्त खाते में हित रखने वाले सभी व्यक्तियशें को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वे निश्चित दिनांक को या तो स्वतः अथवा किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा हाजिर हो एवं अपनी आक्षेपों यदि कोई हो तो पेश करें।

उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर हाजिर नही होने पर एवं आक्षेपों को पेश नही कर पाने की स्थिति में किसी आक्षेप पर विचार नही किया जायेगा।

खाते का विवरण
सर्वेक्षण संख्याक/भू-खंडांक : 616
क्षेत्रफल कूल : 0.04 हे.
भू - राजस्व : 0.04/-

आज दिनांक 24/05/24 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग
मामला क्रमांक 202405100700176 / अ-27/23-24
ईश्तहार
(धारा 178 प्रारूप ख)

क्योंकि मौजा डुन्डेरा तहसील व जिला दुर्ग के सहभूमिस्वामी प्रीत राम देवांगन आ. रामनाथ निवासी डुन्डेरा तहसील व जिला दुर्ग ने निम्नांकित अनुसूची में निदिष्ट खाते के अपने भाग के विभाजपा के लिए आवेदन किया है, एवं क्योंकि उक्त खाते का बंटवारा किया जाना प्रस्तावित हुआ है, एवं सुनवाई का दिनांक 12/06/24 स्थान तहसील दुर्ग पर दिन 11.00 बजे नियत किया गया है, उक्त खाते में हित रखने वाले सभी व्यक्तियशें को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वे निश्चित दिनांक को या तो स्वतः अथवा किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा हाजिर हो एवं अपनी आक्षेपों यदि कोई हो तो पेश करें।

उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर हाजिर नही होने पर एवं आक्षेपों को पेश नही कर पाने की स्थिति में किसी आक्षेप पर विचार नही किया जायेगा।

खाते का विवरण
सर्वेक्षण संख्याक/भू-खंडांक : 243, 327/2, 822,1311,1353,1355, 1356/1, 1357
क्षेत्रफल कूल : 2.18 हे.
भू - राजस्व : 0.04, 3.8000/-

आज दिनांक 24/05/24 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

।। न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) ।।
रा.प्र.क. 202406101500007
अ/6 वर्ष 2023-24
// **ईश्तहार** //

एतद द्वारा सर्व साधारण मोतीपुर प.ह.नं. 06 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक कन्हैया लाल साहू पिता खेदू राम साहू निवासी ग्राम रवेली प0ह0न0 18 तहसील पाटन जिला दुर्ग द्वारा ग्राम स्थित भूमि ख0न0 710/5 कुल रकबा 0.096 हे. से भूमि आवेदक के भाई परदेषी पिता खेदूराम का मृत्यु दिनांक 21.03.2024 एवं उनकी पत्नि मेहतरीन बाई की मृत्यु दिनांक 16.04.2021 को हो जाने के कारण वैधवारिसानो का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रकरण न्यायालय में विचारधीन है।

अतः उपरोक्तानुसार नामांतरण कि कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 25.06.2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06.06.2024 को जारी किया गया।

नायब तहसीलदार एवं
पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

पुरानी भिलाई में हत्या के आरोपी एक नाबालिग सहित 8 गिरफ्तार

श्रमबिन्दु / भिलाई

पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में दो दिन पहले बुधवार की रात को हुई हत्या के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग सहित 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हत्या की विवेचना के दौरान आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस को अच्छी खासी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने रायपुर, बलौदाबजार, बेमेतरा, राजनांदगांव, दुर्ग एवं बालोद में लगातार दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से बचने के लिए आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो मोटर सायकल, लाठी, डण्डा, धारदार हथियार, बेस बाल डण्डा, लोहे का राड, तलवार आदि जब्त किया गया है।

बता दें 5 जून की आधीरात को देवबलौदा में एल चिरंजीव उर्फब्रूसली नामक युवक की कुछ लोगों के द्वारा हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलने के बाद तत्काल पुलिस टीम के द्वारा घटना स्थल पहुंची। जब तक पुलिस पहुंची हत्या करने वाले वहां से भाग चुके थे। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को मरच्यूरी भिजवाया। इस मामले में मुकेश कुमार मानिकपुरी निवासी देवबलौदा की रिपोर्ट पर थाना पुरानी भिलाई में धारा 302, 147, 148, 149, 120बी भादवि का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस ने घटना स्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया और जरूरी साक्ष्य एकत्रित किए। चश्मदीद व आस पास के लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि अर्जुन बघेल, दीपक कुमार टंडन उर्फ गोलू, राजेश कुर्रे, भूपेंद्र टंडन, जसवंत मारकंडे, देवा बंजारे, सुनील बंधे, भीम बघेल, अजय बघेल, शेखर सेन व एक नाबालिग के द्वारा उक्त हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। आरोपियों का पता चलने के बाद पुलिस ने इनकी तलाश शुरू की लेकिन यह सभी घटना के बाद फरार हो गए थे।

अलग- अलग टीमें बनाकर दी गई दबिश

पुलिस की टीमें आरोपियों के छिपने के संबंधित ठिकानों पर अलग- अलग टीमें बनाकर लगातार दबिश दी गई। सभी आरोपी गिरफ्तारी के डर से अपना स्थान परिवर्तित कर रहें थे। टीम द्वारा रायपुर, बलौदाबजार, बेमेतरा, राजनांदगांव, दुर्ग, बालोद के क्षेत्रों में आरोपियों उपस्थिति के संभावित ठिकानों में दबिश दी। पुलिस को जल्द ही सफलता मिली। पुलिस ने इस मामले में अर्जुन बघेल, दीपक कुमार टंडन उर्फगोलू, राजेश कुर्रे, भूपेंद्र टंडन, जसवंत मारकंडे, देवा बंजारे, सुनील बंधे व नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं शेष आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

पुरानी रंजिश के कारण की थी ब्रूसली की हत्या

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों बताया कि उनका मृतक एल चिरंजीव उर्फ ब्रूसली के साथ पुरानी रंजिश है। पिछले साल की होली में ब्रुसली ने भीम के बड़े भाई अर्जुन से मारपीट की थी। इसकी शिकायत जीआरपी थाना भिलाई 03 में कराई गई थी। यही नहीं बीच बीच में झगड़ा विवाद होते रहता था। इसी तरह गांव के ही दीपक कुमार टंडन उर्फ गोलु के साथ भी ब्रूसली ने मारपीट की थी। दीपक कुमार टंडन उर्फ गोलु और भीम, उसका भाई और उसके साथी ब्रेसली से मारपीट की घटना का बदला लेने के लिए मौके की तलाश में लगे हुए थे।

राज्य स्तरीय दल द्वारा शहरी अजीविका मिशन की समीक्षा बैठक

श्रमबिन्दु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में शहरी अजीविका मिशन की समीक्षा बैठक ली गई। जिसमें रायपुर से राज्य स्तरीय शहरी आजीविका मिशन टीम निगम सभागार में पहुंचकर शासन से जारी गाईडलाईन से संबंधित दिशा-निर्देश दिये।

नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में आज शासन की विभिन्न योजना से संबंधित विषयो पर चर्चा की गई, जिसमें राज्य स्तीरय शहरी अजीविका मिशन रायपुर की टीम प्रमुख रूप में स्टेट मैनेजर प्रशांत ताम्बोली, उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील अग्रहरी ने शासन की योजनाओ के बारे में जानकारी दी पूर्व में चल रहे प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के प्रोग्रेस के बारे में पूछ नये दिशा निर्देश दिये। की किस प्रकार से शहरी लाभार्थियो को इस योजना से जोड़के उनको विकासमुखी बना सकते है। स्व-निधि योजना जिसके अंतर्गत ऐसे छोटे व्यापारी जिनको अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है उन्हे शासन की गारंटी पर आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक पासबुक को आधार मानकर व्यापार करने के लिए प्रारंभिक अवस्था में 10000 का लोन प्रदान किया जाता है। जो बाद में बढ़ते क्रम में बढ़ते जाता है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का उददेश्य कारिगरो एवं शिल्पकारो की पहचान कर विश्वकर्मा के रूप में उन्हे सभी लाभ प्राप्त करने के योग्य बनाना, उनके कौशल का विकास करना, उनकी योग्यता क्षमता बढ़हाने के लिए आधुनिक रोजगार बढ़ाना, उन्हे ऋण प्रदान करना तथा उन्नति के लिए विभिन्न बाजारो से जोड़ना है। प्रमुख रूप से प्रारंपरिक व्यवसाय करने वाले बढ़हई, नाव बनाने वाले, अस्तरा कार, लोहार, लोहे का औजार निर्माता, सोनार, कुम्हार, मूर्तिकार, राजमिस्त्री, पैरदान बनाने वाले, नाई, घोबी, दर्जी, जाल निर्माता इत्यादि शामिल है। इनके गुणवत्ता में और सुधार करके इन्हे विकासमुखी बढ़हाना उददेश्य है। भिलाई नगर निगम के साथ दुर्ग, कुम्हारी, रिसाली आदि निगमो से भी मिशन मैनेजर, सी.ई.ओ., नगर निगम भिलाई के नोडल अधिकारी सुश्री दिप्ती साहू, प्रभारी अधिकारी रीता चतुर्वेदी, संजय शर्मा आदि उपस्थित रहे।

खास खबर

अपने घरों में और आस-पास पौधा लगाने व इसे जीवित रखने लोग ले जिम्मेदारी-इंद्रजीत सिंह

श्रमबिन्दु / भिलाई

भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी में हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी परिसर में हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह छोटू और बलकर एसोशियेशन के अध्यक्ष मलकीत सिंह लल्लू ने पोधारोपण किया है। श्रमिक नेता प्रभु नाथ मिश्रा ने पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण से होने वाले लाभ को प्रतिपादित किया। श्री मिश्रा ने कहा कि इस दिन को मनाने के कई कारण है जिसमें एक खास कारण इंसानों को पर्यावरण के प्रति जागरुक करना है। यह बात तो सभी जानते हैं कि इंसान और पर्यावरण का बहुत ही गहरा नाता है। हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के संचालक इंद्रजीत सिंह छोटू ने कंपनी परिसर में ट्रांसपोर्ट भाइयों के साथ आज विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधा रोपा और इस अवसर पर भिलाई वासियों से अपने घरों में और आस-पास पौधा लगाने और पौधों को जीवित रखने की जिम्मेदारी लेने की अपील की। इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि आने वाले मानसून में ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करें और अपने घर, आसपास के परिवेश, गांव और शहरों और जंगलों को खूब हरा-भरा बनाएं। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य हमारी प्रकृति की रक्षा के लिए जागरूकता बढ़ाना और दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को देखना है। आज 50 वां विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बढ़ते कदम विश्व पर्यावरण दिवस पर हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी परिसर में पीपल, नीम बर्गत, सहित अन्य फलदार पौधा का वृक्षारोपण किया गया।

बुधवार को जिला अस्पताल दुर्ग में वृद्धजनों के लिए विशेष शिविर का आयोजन

दुर्ग। जिला चिकित्सालय दुर्ग में प्रति बुधवार को वृद्धजनों हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में सभी प्रकार की जांच सुविधा उपलब्ध है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोतियाबिंद, गठिया रोग, श्रवण जांच एवं अन्य सभी प्रकार की जांच व उपचार नि:शुल्क किया जाता है। सिविल सर्जन डॉ. हेमंत साहू से मिली जानकारी अनुसार मई माह में कुल 2579 वृद्धजनों को जांच उपचार से लाभान्वित किया गया है। बुधवार को आयोजित वृद्धजनों के लिए शिविर में मेडिसिन विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. के.के. जैन, डॉ. मनोज दानी, डॉ. देवेन्द्र साहू, डॉ. तृप्ती तिवारी और डॉ. अनिल विवेक सिन्हा। नाक, कान, गला विशेषज्ञ डॉ. रीनू तिवारी। जनरल सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. वाई.के. शर्मा, डॉ. सरिता मिंज, डॉ. ए.के. सन्याल और डॉ. कामेन्द्र ठाकुर। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता भाटिया, डॉ. बी.आर. कोसरिया, डॉ. अल्पना अग्रवाल और डॉ. कल्पना जेफा अर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. विपिन जैन और डॉ. आर.के. नायक। दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ. कंचन गुप्ता, डॉ. रेणुका जायसवाल, डॉ. कामनी डड़सेना, डॉ. शिवांशी अग्निहोत्री, डॉ. अंजू यादव और डॉ. तान्या जायसवाल। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ममता पाण्डे, डॉ. उज्जवला देवांगन, डॉ. बी.आर. साहू और डॉ. स्मिता। आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. जयप्रकाश चन्द्राकर तथा त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. गरिमा बालपाण्डे अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

पीएटी/पीव्हीपीटी 2024 प्रवेश परीक्षा 9 जून को

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में जिले में 09 जून 2024 दिन रविवार को सुबह 09 बजे से 12.15 बजे तक छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा पी.ए.टी/पी.व्ही.पी.टी. 2024 प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाना है। सभी परीक्षार्थी अपने प्रवेश पत्र में उल्लेखित परीक्षा केन्द्रों सें परीक्षा दिवस से एक दिन पूर्व ही अपने परीक्षा केन्द्र की भौगोलिक स्थिति से भलीभाँति परिचित हो जाएं।

'आओ बात करे'- सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का हुआ आयोजन

श्रमबिन्दु / दुर्ग

जिला प्रशासन, यूनिसेफ एवं एग्रिकॉन फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से 'आओ बात करें' सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत दुर्ग के सभागार मे हुआ। इस कार्यक्रम मे दुर्ग, पाटन एवं धमधा खंड से सचिव, रोजगार सहायक, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, बिहान, एनजीओ सहित 70 लोगों की भागीदारी रही। कार्यशाला का उद्घाटन युवोदय कार्यक्रम जिला समन्वयक श्री शशांक शर्मा ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है, और हमें इसे नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं के माध्यम से लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सकती है।

कार्यक्रम मे एग्रीकान फाउंडेशन से मानसिक स्वास्थ्य राज्य समन्वयक दानिश के हुसैन, युवोदय एवं युवा कार्यक्रम राज्य स्तरीय समन्वयक जागृति गर्ग के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य एवं युवोदय कार्यक्रम से जुड़े विषयों के बारे में जानकारी दी गई। प्रारंभ में जागृति गर्ग के द्वारा स्वयंसेवा एवं स्वयंसेवकों के भूमिका, युवोदय क्या है के विषय में चर्चा की गई। जिससे समाज मे युवाओं के द्वारा समुदाय में उचित बदलाव लाया जा सके, इसके साथ सामाजिक व्यवहार परिवर्तन के द्वारा समाज में अच्छे व्यवहारों को अपनाने हेतु कैसे कार्य कर सकते है इस विषय मे चर्चा की गई। दानिश के. हुसैन के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य विषयों को लेकर चर्चा में भावनाये 'आप कैसा महसूस कर रहे है', मानसिक रूप से स्वस्थ्य व्यक्ति के गुण, मानसिक स्वास्थ्य क्यो महत्वपूर्ण है, मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और इसके प्रभावों पर चर्चा की गई। तनाव प्रबंधन योग और ध्यान के माध्यम से तनाव को कैसे प्रबंधित किया जा सकता है, इस पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। सकारात्मक सोच और आत्म-सम्मान बढ़ाने और सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रमुख अंश में विभिन्न व्यावहारिक गतिविधियाँ कराई गईं, बायो मेडिकल मॉडल, मनो सामाजिक मॉडल, मानसिक स्वास्थ्य बनाये रखने के उपाय के बारे मे बताया गया। गतिविधियों मे प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान के लिए समूह चर्चा का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के दौरान कई इंटरेक्टिव सत्र भी आयोजित किए गए। जहां प्रतिभागियों ने अपने सवाल पूछे और विशेषज्ञों ने उनके उत्तर दिए। इनमें अवसाद, चिंता, तनाव और मानसिक स्वास्थ्य के अन्य पहलुओं पर चर्चा की गई। प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों के सवालों के उत्तर दिए गए और उन्हें व्यक्तिगत परामर्श भी दिया गया। उपस्थितियों का अनुभव कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला को अत्यंत लाभकारी और जानकारीपूर्ण बताया। संतोष कुमार खरे सचिव सोसाइटी फॉर इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट ने कहा, 'इस कार्यशाला से मुझे अपनी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने की दिशा में बहुत मदद मिली। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित पुस्तिकाएँ और अन्य संसाधन वितरित किए गए। इस कार्यशाला ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में इसे लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्यशाला मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और उम्मीद है कि भविष्य में इस तरह के और भी आयोजन होते रहेंगे।

घरो से निकलने वाले कचरो से भिलाई निगम बना रहा खाद

श्रमबिन्दु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत प्रतिदिन घरो से निकलने वाले गीला एवं सूखा कचरे का एकत्रिकरण कार्य किया जा रहा है। गिले कचरे से जैविक खाद का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही नगर निगम के उद्यानो से निकलने वाले पत्ते, खरपतवार, फूल इत्यादि को एकत्रित कर वहीं पर गढढा बनाकर जैविक उपयोगी खाद बनाया जा रहा है। उसी खाद से नगर निगम अपने नर्सरी में फूल पौधो को हरा भरा रखेगा। इसके साथ साथ जो हाउसिंग सोसायटी है उनके बीच में भी जाकर उन्हे प्रेरित किया जा रहा है कि अपाटमेंट के बीच में या जहां पर भी उद्यान है वहां से निकलने वाले जैविक कचरे को वहीं पर गढढा बनाकर सेग्रिगेट किया जाये जिससे खाद बन जाये, फिर से उसे उपयोगी खाद बनाया जा सके। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने उद्यान अधिकारी, भवन अनुज्ञा अधिकारी एवं निगम के जोन स्वास्थ्य अधिकारियो को निर्देशित किया है की जैविक कचरो का डिस्पोजल स्थानीय स्तर पर गढढा बनाकर खाद का निर्माण करके उपयोग किया जावे। नगर निगम भिलाई ने सभी नागरिको से अपील की है कि वे स्वयं ही अपने घरो से निकलने वाले फूल, गिरे हुए पत्ते पुजा सामग्री, बेल पत्र इत्यादि को अपने घरो के गमले में ही डालकरके थोड़ा मिटटी, गोबर, गुड़, पानी डाल के ढंग देवे। कुछ दिनो बाद थोड़ा थोड़ा पानी डालते रहे, जिससे अपने आप जैविक कचरा शढ़ करके खाद बन जायेगा। जिसे फिर से अपने घरो के बाड़ी में फूल पौधो में डालकर उपयोग कर सकते है।

गर्मी एवं लू से बचाव के लिए करें उपाय

श्रमबिन्दु / भिलाई

जिले में लगातार बढ़ रहे लू और बुखार के मरीज के संबंध में कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम, जिला सर्वेलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, आईडीएसपी दुर्ग के मार्गदर्शन में श्रीमती रितीका मसीह, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, समस्त कॉम्बेट टीम, महिला एवं पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सुपरवाईजर एवं मैदानी स्तर पर मितानिन सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा आम जनता को लू-तापघात से बचाव हेतु जनसाधारण को जागरूक करते हुये नियमित निगरानी की जा रही है। लू लगने के लक्षण सिर में भारीपन और दर्द होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक हो जाने के बाद भी पसीने का न आना, अधिक प्यास और पेशाब कम आना, भूख कम लगना, बेहोश होना उक्त स्थिति से निपटने तथा सभी निजी तथा शासकीय अस्पतालों के पैरामेडिकल स्टाफको हीट स्ट्रोक (हीट स्ट्रोक) को तुरंत पहचानने और मरीज को असरदार ईलाज देने के लिए गर्मी से होने वाली बीमारियों के प्रबंधन की तैयारी के निर्देश दिये गये है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा लू का अलर्ट जारी किया गया है। आम जनता को लू के लक्षण से अवगत कराया जाकर जन-जागरूकता लायी जा रही है। लू-तापघात के प्रारंभिक उपचार जैसे बुखार पीड़ित व्यक्ति के सिर पर ठंडे पानी की पट्टी लगाएँ, पेय पदार्थ का सेवन करें जैसे नारियल पानी, आम का पना, जलजीरा आदि। पीड़ित व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लेटा दें, खुले में हवादार एवं ठंडे स्थान में रखें।

नागरिकों को परेशान करने वाले अधिकारी की अब खैर नहीं - आयुक्त

श्रमबिन्दु / रिसाली

परेशान व्यक्ति को अनावश्यक रूप से दफ्तर का चक्कर लगाने वाले अधिकारी-कर्मचारी की खैर नहीं। आयुक्त मोनिका वर्मा ने समय पर सभी को कार्यालय पहुंचने की हिदायत दी। आचार संहिता खत्म होते ही उन्होंने बैठक लेकर प्रत्येक कार्य को समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने की बात कही। खास तौर पर ऐसे कार्य को सजगता के साथ पूरा करने कहा जिसे नागरिक सीधे कार्यालय पहुंच कर आवेदन करते है।

निगम आयुक्त ने शुक्रवार को अधिकारियों की क्लास ली। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारी से हितग्राही मूलक योजना- राशन कार्ड, नल कनेक्शन, आधार अपडेट, जन्म-मृत्यु और स्वच्छता से संबंधित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने निर्देश दिए। आगह करते कहा कि अगर कोई अधिकारी-कर्मचारी कार्यालय पहुंचे नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान करने की शिकायत उन तक पहुंचती है तो वे सीधे कार्यवाही करेंगी। विभाग प्रमुखों और डिलिंग क्लर्क की बैठक में निगम सचिव रोहित साहू, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

फिल्ड का बहाना न करें

आयुक्त ने कहा कि कई कर्मचारी फिल्ड व सर्वे का बहाना कर पूरे दिन गायब रहते है। प्रत्येक कर्मचारी को अपने विभाग प्रमुख से अनुमति लेकर फिल्ड में निकलना होगा। उन्होंने अवकाश के लिए भी दिशा निर्देश दी। आयुक्त ने एक दिन पूर्व अथवा कार्यालय समय शुरू होने से पूर्व अवकाश लेने की सूचना को अनिवार्य किया है।

निदान 1100 पर पर गंभीर हुई

आयुक्त ने निर्माण कार्य से लेकर शिकायतों को बहाने बाजी के बिना समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि कई निदान 1100 में सीधे शिकायत दर्ज करते है। इन शिकायतों का त्वरित निराकरण पोर्टल में अवश्य दर्ज करे।

विधायक ने ली विकास कार्यो की जानकारी

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने विकास कार्यो पर आयुक्त से चर्चा की। उन्होंने निगम क्षेत्र में विकास के प्रस्ताव को सूचीबद्ध करने कहा। विधायक ने स्पष्ट कहा है कि निगम कार्यालय पहुंचे नागरिकों का कार्य समय सीमा में हो। साथ ही उन्होंने नागरिकों के हित और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बड़े प्रस्ताव तैयार करने निर्देश दिए। प्रस्ताव को वे शासन स्तर पर स्वीकृत कराऐंगे।

स्वामी / प्रकाशक / शिव श्रीवास्तव द्वारा विकास प्रकाशन 208 आकाशगंगा भिलाई से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-दिलीप श्रीवास्तव, जगदलपुर स्थानीय संपादक - अर्जुन झा * पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-पुरेन्द्र देशमुख। फोन : 07883558190, मो. 9425228630